हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

10 फरवरी, 1999

खण्ड 1, अंक 10

अधिकृत विवरण

विशय सूची

बुधवार, 10 फरवरी, 1999

पृश्ठ संख्या

भाोक प्रस्ताव	(10)1
तारांकित प्र न एवं उतर	(10)2
अति–वि ाश्ट व्यक्तियों का अभिन्दन	(10)11
तारांकित प्र न एवं उतर (पुनरारम्भ)	(10)11
नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत	(10)19
वि व बैंक से लिए गए त्रण से संबंधित मामला	(10)20
नियम 15 के अधीन प्रस्ताव	(10)24
नियम 16 के अधीन प्रस्ताव	(10)25
नियम 121 के अधीन प्रस्ताव	(10)25
सदन की मेज पर रखा गया कागज पत्र	(10)27
समितियों की रिपोर्ट्स प्रस्तुत करना	(10)27
(i) लोक सेवा समिति की 48वीं रिपोर्ट पे ा करना	(10)27

(ii) अनूसूचित जातियों, जन–जातियों तथा पिछड़े वर्ग कल्याण समिति की 24वीं रिपोर्ट पे ा करना	(10)27
(iii) अधीन विधान समिति को 30वीं रिपोर्ट पे ा करना	(10)28
(iv) आ वासन समिति की 30वीं रिपोर्ट पे ा करना	(10)28
विल्ज–	(10)28
1. हरियाणा विनियोग (सं01) विधेयक, 1999	(10)28
2. हरियाणा विनियोग (सं02) विधेयक, 1999	(10)29
3. हरियाणा विधान सभा (सदस्य चिकित्सा सुविधा) सं ाोधन विधेयक, 1999	(10)37
4. हरियाणा विधान सभा (सदस्य चिकित्सा सुविधा) सं ाोधन विधेयक, 1999	(10)39
5. हरियाणा प्राइवेट महाविद्यालय (प्रबन्ध ग्रहण) सं ाोधन विधेयक, 1999	(10)40
6. हरियाणा नगर पालिका (सं ाोधन) विधेयक, 1999	(10)42
7. हरियाणा नगर निगम (सं ाोधन)विधेयक, 1999	(10)44

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 10 फरवरी, 1999

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 10.00 बजे हुई। अध्यक्ष (प्रो0 छत्तर सिंह चौहान) ने अध्यक्षता की।

भाोक प्रस्ताव

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, अब ओबीचुअरी प्रस्ताव होगा।

मुख्यमंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, परसों ही हमारे बीच में एक बहुत ही अच्छे जनरल जो कि चीफ ऑफ दी आर्मी स्टाफ रहे है, जनरल के0 सुंदरजी, इनका स्वर्गवास हो गया है। मै उनके लिए आबीचुअरी पे ा करता हूं।

This House places on record its deep sense of sorrow on sad demise of General Krishnaswami Sunderji. former Chief of the Army Staff. on February 8-1999

He was born on April 30-1928. He Joined the Indian Army in 1945 and got commissioned in 1946. General Sunderji saw action during Ino Pak War in 1965. He was Brigadier General Staff of a corps in the Eastern Theatre and made valuble contribution in operations culmmating in the liberation of erestwhile Pakistan into Bangladesh in 1971 Indo-Pak War. He was awarded with Param Vashisht Sewa

Medal. He became Deputy Chief of the Army in 1981 and Chief of the Army staff in 1986.

In his death, the conutry has lost a brave and courageous solidier and a great son of the motherlaand. This House resolves to send its heartfelt condolences to the members of the bereaved family.

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): अध्यक्ष महोदय, सदन के माननीय नेता ने जो भाोक प्रस्ताव यहां पर रखा है मै उसके समर्थन में खड़ा हुआ हूं। जनरल सुंदरजी भारत की सेनाओं की भाान थे। स्पीकर सर, आप जानते ही है कि भारत की सेनाओं का पूरी दुनियां में अपना एक अलग ही स्थान है। भारत की सेनाओं दुनियां में सबसे मजबूत और अनु ाासित सेनाओं है। सेना में जनरल सुंदरजी का युद्ध के समय और युद्ध के बाद अपना एक बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान रहा। यहां पर जब आंतकवाद का दौर था तो उस समय भी उन्होंने बड़ी संजीदगी से अपना काम किया। दे ा के लोगों न जो भी जिम्मेदारी उन पर सौंपी थी उसको उन्होंने बहुत ही बखूबी से निभाया था। उनके निधन से भारत ने अपना एक सेनापति और अपना एक सपूत खोया हैं जिसमे मुझे और मेरी पार्टी को बड़ा दुख हुआ है। भाोक संतम परिवार के प्रति हम अपनी संवेदना प्रकट करते है और भगवान से प्रार्थना करते है कि वह दिवंगत आत्मा को भाांति दे तथा उनके परिवार को यह दुख बर्दा त करने की भाक्ति दें।

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, सदन के नेता और प्रो0 रामबिलास भार्मा जी ने जनरल कृश्णास्वामी सुंदरजी भारत के उन महान सेनापतियों में से थे जिनका भारत की सेनाओं में एक वि ाश्ट स्थान है। भारतीय जनरलों में उसकी गणना एक थिक टैक के रूप मे की जाती थी। उन्होंने एक सैनिक के रूप में अपना जीवन आरम्भ किया और बाद मे वे सेना के उच्चस्थ पद पर पहुंचे। यह उनकी अपनी योग्यता का एक स्पश्ट प्रमाण है। आज हमारे बीच में से अकस्मात उनके उठ जाने से दे ा एक महान सेनापति, एक सच्चे दे ा भक्त की सेवाओं से बंचित हो गया है। मै अपनी ओर से व सदन की ओर से दिवंगत आत्मा के लिए परम पिता परमात्मा से प्रर्थाना करता हूं कि उनकी आत्मा की भान्ति दे और उसके परिवार के सदस्यों को इन महान क्षति को बर्दा त करने की भाक्ति प्रदान करे। में सभी माननीय सदस्यों से निवेदन करूंगा कि श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए दो मिनट का मौन रखे।

(इस समय दिंवगत आत्मा के सम्मान में सदन के सदस्यों ने खड़े हो कर दो मिनट का मौन धारण किया)

तारांकित प्र न एवं उतर

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल होगे।

तारांकित प्र न सं. 992

(यह प्र न पूछा नही गया क्योकि इस समय माननीय सदस्य, श्री देवराज दीवान सदन में उपस्थित नही थे)

Shops of Rai and Randhawa Market

876. Shri Anil Vij: Will the Minister for Local Government be pleased to state-

(a) whether it is a fact that the lease of shops of Rai Market and Randhawa Market has been expired sine many years,

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Govt. to renew the lease or sell the aforesaid land to its occupants; and

(c) if so, the time by which the proposal as referred to in (b) above is likely to be materalised?

स्थानीय भाासन मंत्री (डा0 कमला वर्मा):

(क) हां, श्रीमान्

(ख) व (ग) उपायुक्त अम्बाला जिन्हे बटवारा समझौता के अधीन प्राप्त अम्बाला छावनी क्षेत्र की जमीन का सम्पदा अधिकारी नियुक्त किया गया है, को आयुक्त, अम्बाला मण्डल के माध्यम से प्रस्ताव भेजने का अनुरोध किया गया है। प्रस्ताव प्राप्त होने पर इस बारे विचार जाएगा।

श्री अनिल विज: अध्यक्ष महोदय, यह अम्बाला छावनी स्थित गय मार्किट और रंघावा मार्किट से संबंधित प्र न है। 30

वर्श पहले लगभग पौने तीन सौ दुकानें पट्टे पर दी गई थी जिनका पट्टा बर्श 1983 में समाप्त हो गया था। चाहिए तो यह था कि पट्टा समाप्त होने से पहले ही पिछली सरकार इस बारे में अपनी नीति बना लेती। लगभग 16 वर्श गुजर गए लेकिन इस बारे मे कोई निर्याण नही लिया गया। यह पिछले सरकारों की इनडिसीसिवनैस और रैड टेपिज्म का ज्वलंत उदाहरण है। जबकि सरकार को पिछले 16 सालों से उन दुकानों का किराया भी प्राप्त नही हो रहा है, न लीज का पैसा मिल रहा है, इन दुकानों की लीज को रिन्यू करने का मामला पिछले कई सालों से विचारधीन है। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार में, डिसीजन लेने की क्षमता है इसलिए मै आपके माध्यम से मंत्री महोदया से जानना चाहूंगा कि यह जो इतने वर्शो से पैडिंग मामला है, इसका ये कब तक समाधान कर देंगे ये इस बारे में, क्या कोई समय सीमा निर्धारित कर सकते है। कि एक महीने से, दो महीने में या तीन महीने में इस संबंध में कार्यवाही कर ली जाएगी?

डा0 कमला वर्मा: अध्यक्ष महोदय, इस बारे में हम समय–समय पर बैठके करते रहे है और माननीय सदस्य स्वयं भी उन बैठकों में हिस्सा लेते रहे है। मै माननीय सदस्य को बताना चाहूंगी कि इस सरकार के आने पर काम करने के बारे कोई उपेक्षा नही की गई। हमने 11–3–98 को वितायुक्त एवं सचिव, स्थानीय भाासन विभाग की अध्यक्षता में बैठके की और उसमें उपायुक्त, अम्बाला ने भी भाग लिया। मुख्य मंत्री जी ने भी 30.10.

98 को बैठक ली और उसमें यह निर्णय लिया गया कि 30 अप्रैल, 1999 तक आयुक्त की रिपोर्ट आने पर यह फैसला कर दिया जायेगा क्योंकि उपायुक्त की रिपोर्ट आ चुकी है। आयुक्त की रिपोर्ट अभी तक आई नहीं है।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, मेरा स्पैसिफिक क्वै चन यह था कि कितने माह में मंत्री महोदया यह फैसला ले लेगी। इस बारे में कोई समय सीमा निर्धारित की जाये। प्र न उपायुक्त की रिपोर्ट आने का या आयुक्त की रिपोर्ट आने का नही है।

डॉ0 कमला भार्माः अध्यक्ष महोदय, स्थानिया विधायक का प्र न बड़ा सही है। मै उनको बताना चाहूंगी कि इस मामले में सरकार को भी घाटा हो रहा है इसलिए इसका निर्णय जल्दी ही ले लिया जायेगा। परन्तु यह फैसला आयुक्त की रिपोर्ट आने पर ही किया जायेगा।

श्री अध्यक्षः किसकी रिपोर्ट आने पर फैसला किय जायेगा।

डा0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, कमि नर सारी मार्किट की दुकानों का सर्वे करके अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। वहां पर कुल 236 दुकानों है। पहले अम्बाला कंटोनमैंट का ऐरिया मिल्टरी के अंडर था लेकिन बाद में आर्मी ने इसे हरियाणा सरकार के अधिकार में दें दिया इसलिए अम्बाला सदर में नगरपालिका

5–2–1977 को बनाई गई थी छावनी और नगरपालिका के उस बंटवारे के समझौते के समय यह दो मार्किट बनाई गई थी। पंजाब से आये हुये विस्थापितों की पुनः स्थापना करने के लिए ये दुकानें उनको दी गई थी। इन 236 दुकानों मं से 66 पट्टेदार ऐसे थे जो मूल धारक है जिनका ये दुकाने दी गई थी। वे दुकानें चला रहे है। 36 दुकानदार ऐसे है जिन्होंने दुकानें अन्य दुकानदारों को किराये पर दी हुई है और 123 दुकानें ऐसी है जिनको उन दुकानदारों ने बेच दिया है। बाकी दुकानों पर ताला लगा हुआ है। इन सब दुकानों का सर्वे करवाकर ही यह पता लगेगा कि किस दुकानदार ने अलाटमैंट के समय हुआ है। इन सब दुंकानों का सर्वे करवायक ही यह पता लगेगा कि किस दुकानदारों ने अलाटमेंट के समय जो भार्ते निर्धारित की गई थी उन भार्ते की उल्लघंना की है। उपायुक्त ने सर्वे करके रिपोर्ट दे दी है। अभी आयुक्त की रिपोर्ट आनी बाकी है। आयुक्त की रिपोर्ट आने पर इस मामले को कैबिनेट के मामने प्रस्तुत किया जायेगा। उसके बाद स्थानीय विधायक के सुझाव भी लिये जायेगें। जैसे ये कहेगे उसी के अनुसार फैसला कर लिया जायेगा। सरकार की इस मामले में फैसला करने की पूरी रूचि है। हम सरकार को घाटा नही देना चाहते और हम मामले में फैसला जल्दी ही कर दिया आयेगा।

श्री अध्यक्षः मंत्री महोदया, कमि नर तो आपके ही हैं आप उनको निर्दे ा तो दे सकती है ताकि the matter be expedited as early as possible.

डा0 कमला वर्मा: अध्यक्ष महोदय, निर्दे ा तो पहले भी दिये हुये है और उनको आगे फिर जोर देकर कह दिया जायेगा।

श्री अनिल विज: अध्यक्ष महोदय, मुझे उम्मीद है कि मंत्री महोदय इस मामले को जल्दी ही निपटा देंगी। मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि जो अम्बाला छावनी की भूमि बंटवारे के समझौते के समय नगर पालिका को स्थानन्तरित हुई थी उस भूमि के कई मामले है जैसे जिन लोगों को जो भूमि लीज पर दी गई थी वह लीज या तो समाप्त हो गई है या जो सरकारी भूमि थी जिसके लिये कहा गया था कि इस भूमि में कोई अतिरिक्त निर्माण नही किया जायेगा उस भूमि पर कई जगह निर्माण किया गया है और उस लाखों–करोड़ो रूपये की भूमि को कई लोगों ने बेच दिया है। मैं मंत्री महोदया से जानना चाहूंगा कि जो वह भूमि बेची गई है या जिस भूमि पर निर्माण किया गया है उसके बारे में क्या कोई इंक्वायरी करवायेंगी और उनके खिलाफ कार्रवाई करवायेंगी?

डॉ0 कमला वर्मा: अध्यक्ष महोदय, भामलात की भूमि पर अवैध कब्जे संबंधी आज इस सदन में एक बिल ला रहे है ताकि भामलात भूमि पर जो भी अनियमित कब्जे किये हुये है और जिन्होने यह अनियमिताएं की है उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सके। वैसे पिछली सरकार के समय में अनियमितताएं ज्यादा हुई है इसके लिये हम अमैंडमैंट लाकर के इसको रैगुलराईज करना चाहता है।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, मै तो सिर्फ एक स्पैसिफिक प्र न ही पूछना चाहता हूं कि कैंटोनमैंट बोर्ड न जो एरिया नगरपालिका अम्बाला छावनी को ट्रांसफर किया था उस एरिया में लीज होल्डर्ज के जितने बंगले थे उनके साथ लगती हुई जितनी खाली जमीन थी उस जमीन को उन लीज होल्डर्ज ने प्लाट बना–बना कर बेच दिया है जो कि सरकारी भूमि को बेचने के समान है। क्या इस मामले की जांच करके उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी?

डा0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, स्थानीय विधायक की उपस्थिति में आदरणीय मुख्य मंत्री महोदय के साथ एक बैठक हुई थी जिसमें एक निर्णय लिया गया था जिसके अनुसार ऐसी जितनी भी इरैगलुरिटीज है, उनका सर्वे कराया जा रहा है, टिश्पणियां मंगवाई जा रही है तथा उस बैठक में यह भी निर्णय लिया गया है कि 6 माह के अंदर–अंदर इस मामले में फैसला कर लिया जाए। माननीय साथी ने जो अन्य कॉलोनियों की बात की है, मै इनको चाहूंगी कि लीज की अपना कुछ भार्ते होती है, 30 वर्श के अंदर इसका नवीनीकरण किय जा सकता है तथा जितनी रा ि ा की लीज है, उससे दुगुनी रा ि ा ली जा सकती है। इसके अतिरिक्त माननीय विधायक के साथ यह भी बात हुई थी अगर लीज लेने वाले व्यक्ति इस जमीन को खरीदना चाहते है तो मार्किट रेट्स पर उनको बेच भी देगे तथा जो भी फैसला हमने किया है, वह 6 माह के अंदर अव य पूर्ण कर लिया जाएगा।

श्री चन्द भाटिया: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदया को बताना चाहूंगा कि फरीदाबाद में नगर निगम है तथा उसका जो कमि ानर है उसके पास एक लाख रूपए तक की रा ि ा खर्चे करने की परिवार है। इस रा ि ा को बढ़ाकर 5 लाख रूपये तक करने के लिये श्री कृश्ण पाल व आदरणीय भार्मा जी ने आदरणीय मुख्य मंत्री महोदय व डा0 कमला वर्मा जी से प्रर्थाना की थी। मै पूछना चाहूंगा कि क्या सरकार इस पर विचार कर रही है? मेरा दूसर प्र न य है कि फरीदाबाद नगर निगम के अन्दर जो मेयर, डिप्टी मेयर, सीनियर मेयर या पार्शद है, उन में से बहुत से लोगों ने वहां की जमीनों पर नाजायज कब्जे करवा रखे है। इस तरह से बे लोगों के हसमेंट करते है। जिस प्रकार से यदि सरपंच गांव के अंदर कोई गलत काम करता है तो सरकार उस के खिलाफ एक ान ले सकती है, उसको सस्पैड कर सकती है। क्या सरकार ऐसी कोई सोच रखती है कि यदि वहां के मेयर, डिप्टी मेयर, सीनियर मेयर य पार्शद कोई गलत काम करें और कोई उनके खिलाफ लिखित में ि ाकायत करे तो क्या उनके खिलाफ एक ान लिया जायेगा?

डा0 कमला वर्मा: अध्यक्ष महोदय, इनकी यह सप्लीमैंअरी वैसे इस प्र न से सबन्धित नही है फिर भी मै आपके माध्यम से माननीयव विधायक को बताना चाहूंगी कि हम आज ही सदन में नगर निगम, 1994 के एक्ट में अमैडमैंट करने जा रहे है जिसके अनुसार माननीय साथी ने जितनी भी समस्याए बताई है, उन सब

का समाधान हो जाएगा तथा चाहे कोई मैयर हो, डिप्टी मेयर हो, सीनीयर मेरय हो, पार्शद हो, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा सकेगी। मै यह भी वि वास दिलाना चाहूंगी कि यदि कोई भी व्यक्ति सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करेगा चाहे वह नगरपालिका की जमीन हो, नगर निगम की जमीन हो या दूसरी जमीन हो, उसको उचित दंड दिया जाएगा।

श्री चन्द्र भाटियाः अध्यक्ष महोदय, इसके लिए मैं मंत्री महोदया को धन्यवाद देता हूं।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदया को बताना चाहूंगा कि हमारे पानीपत भाहर के अन्दर करीब 400 प्लॉट्स नगरपालिका द्वारा अपने चहेतों को दिए हुए है तथा यह कार्रवाही काफी लम्बे समय से चली आ रही है। हो सकता है यह बात मंत्री महोदया के नोटिस से भी हो। मै आपके माध्यम से मंत्री महोदया से पूछना चाहूंगा कि क्या इसके लिए कोई कार्रवाही ही जाएगी?

डा. कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से आदरणीय विधायक को बताना चाहती हूं कि पिछले एक–दो सालों के अंदर ऐसे कोई प्लॉट नही दिए गए है तथा पिछली सरकार के समय में कितने दिए गए है, इनकी इन्क्वायरी करवा ली जाएगी तथा जो भी इरैगुंलारिटीज पाई जाएगी, उनके अनुसार दोशियों

को उचित दंड दिया जाएगा। वैसे अभी तक मेरे नोटिस में 400 प्लॉट्स की लिस्ट नही आई है।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, यह मामला ग्रीवैंसिज कमेटी की मीटिंग में हर वार डिसक्स होता है। जिसमें हर बार मंत्री भी प्र ाानिक अधिकारी भी यह आ वासन देकर चले जाते है कि इन प्लॉट्स की लिस्ट ग्रीवैंसिज कमेटी को दे दी जाएगी। लेकिन अभी तक वह लिस्ट ग्रौवैसिज कमेटी के माध्यम से नही मिली है।

श्री अध्यक्षः कादयान जी अगर आपकी मालूम है कि ये प्लाट किस समय दिये गये है तो आप बताए।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, ज्यादातर प्लाट कांग्रेस की सरकार के समय में दिये गये थे।

डा0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, स्थानीय विधायक मेरे को बता सकते है। ये अपने आप डी0 सी0 या ई0 ओ0 के पास जाये, वहां पर प्रोपर्टी का एक रजिस्टर होता है जिसमें म्यूनिसिपल कमेटी का जो भी जमीन होती है उसका रिकार्ड, रैवेन्यू रिकार्ड के साथ मिलाकर एक रजिस्टर मे एंटर किया जाता है। उस रजिस्टर में यह भी पता लगया जा सकता है कि म्यूनिसिपल कमेटी की जमीन पर किसने नाजायज कब्जा कर रखा है और किसने नही। मेरी माननीय सदस्य से प्रार्थना है कि ये डी0 सी0 से मिले, रैवेन्यू रिकार्ड देखे और हमें बताये कि वे 400 प्लाट्स किस समय दिये

गये है। उन पर उचित कार्यवाही की जायेगी। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार के वक्त में तो ऐसे कोई भी प्लाट्स नही दिये गये। माननीय विधायक उन प्लाटों की मुझे लिस्ट बनाकर दे दें हम इन्क्वायरी करवा लेंगे

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदया से जानना चाहता हूं कि क्या सरकार की परमि ान के बगैर म्यूनिसिपल कमेटी का प्लाट अलाट करने की पावर है?

डा0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, जैसा कि आपको भी मालूम है पिछली सरकार तो जो चांह बिना नियम के काम करती थी, जैसे कांग्रेस सरकार ने हुडा के प्लांट आलाट कर दिये थे और बाद में सुप्रीम कोर्ट ने वे प्लाट कैंसिल कर दिये। म्यूनिसिपल कमेटी को प्लाट अलाट करने की पावर नही है। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार आने के बाद ओवर आल इनचार्ज तो डी0 सी0 है, कोई ई0 ओ0 या प्रौजिडैंट प्लाट नही ंदे सकता। प्लाट आलाट करने के लिए सरकार की तरफ से इंसट्रक ांज जारी की जाती है। डी0 सी0 अपनी रिपोर्ट सरकार के पास भेजता है और सरकार से निर्दे ा जारी किये जाते है। अध्यक्ष महोदय, मै एक बात और बताना चाहती हूं कि आदरणीय मुख्य मंत्री महोदय इस बारे में रूलज के अनुसार सख्त इंसट्रक ाज जारी की हुई है कि चाहे पांच गज जमीन हो या 45 गज हो, तब तक उसकी स्पीकृति कैबिनेट से नही होती तब तक किसी को नही दी जायेगी, कैबिनेट की स्पीकृति के बाद ही जमीन आलाट की जायेगी। इसलिए मै

कहती हूं कि हमारी सरकार के वक्त में सवाल ही पैदा नही होता कि म्यूनिसिपल कमेटी ने किसी को भी प्लाट आलाट किए हो। अध्यक्ष महोदय, वहां पर कई मकानों के पास जमीन के छोटे–छोटे टुकड़े पड़े है, वे टुकड़े भी उन मकान वालों को देने के लिए कैबिनेट की स्वीकृति लेनी पड़ती है चाहे वह टुकडा 50 गज का ही क्या न हो।

श्री अध्यक्षः मंत्री महोदय, यह ठीक है कि आपकी सरकार के वक्त में प्लाट अलाट नही किये गये लेकिन पिछले सरकारों के समय में तो प्लांट अलाट हुए होंगे लेकिन सरकार का तो एक कंटन्यूस प्रोसैस है, वह तो सदा रहेगा ही। सरकार की भी तो यह डयूटी बनती है कि जो पहले प्लाट अलाट हुए है उनके बारे में इंक्वायरी करें और दोशियों के खिलाफ कार्यवाही करे।

डा0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, जब भी हमारे पास कोई ि ाकायत आती है तो नियम के अनुसार उस पर कार्यवाही की जाती है।

श्री अध्यक्षः मंत्री महोदया, ि ाकायत की बात नही है वहां पर आपकी कोई तो विभागीय म ीनरी होगी जो म्यूनिसिपल कमेटी की जमीन संबंधी मामले देखती है।

डा0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, हमें जैसे ही पता चलता है हम कार्यवाही करते है। जैसे अभी पीछे गुहला चौका में कम से कम 300 एकड़ सरकारी जमीन कब्जे से छुड़वाई है। लोगों

ने उस जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा था। अध्यक्ष महोदय, हमें जहां पर भी अवैध कब्जा के बारे में पता चलता है तत्काल कार्यवाही की जाती है ताकि अवैध कब्जों पर रोक लगे। इस बारे में हमे जहां कही भी ि ाकायत मिलती है हम वहां पर उचित कार्यवाही करते है। सारी नगरपालिका सीमा से सर्वे भी करवाया जाता है ताकि अवैध कब्जों को रोका जा सके।

श्री जगदी ा मेयरः अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के हसनपुर भाहर में लोगों ने बहुत ज्यादा नाजायज कब्जे कर रखे है। होडल में दुकानों के बेचने का केस सरकार के पास आया था। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः मेयर साहब आपके हल्के में भी म्यूनिसिपल कमेटी है।

श्री जगदी ा मेयरः अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में क्या नही है, मेरे हल्के में हर चीज है। (हंसी) मेरे हल्के में दो म्यूनिसिपल कमेटीज है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से एक तो मंत्री महोदया से यह जानना चाहता हूं कि हसनपुर से नाजायज कब्जे तक तक हटा दिये जायेगे और दूसरा यह जानना चाहता हूं कि जो होडल नगरपालिका की दुकानों की बेचने का केस सरकार के पास आया है। उन दुकानों को बेचने के लिए सरकार कब तक अनुमति दे देगी।

डा0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, यह सवाल तो मेन प्र न से संबंधित नही है कि कब तक उन दुकानों को बेचने की

अनुमति दी जायेगी। लेकिन मै माननीय सदस्य का बताना चाहती हूं कि इस बारे मे जांच करके जो भी एक ान लिया जायेगा उस बारे में माननीय सदस्य को बता दिया जायेगा।

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम में मंत्री महोदया से एक जनरल बात पूछना चाहता हूं कि चरखी दादरी में नगरपालिका के 20 प्लाट पड़े है उसके लिए हमने बार–बार कहा है कि यदि सरकार उनकी नीलामी नहीं करेगी तो लोग वहां पर नाजायज कब्जे कर लेंगे। क्या मंत्री जी बतायेगी कि उन प्लाटो की कब तक नीलामी हो जायेगी।

डा0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, मै जुबानी तो कुछ नही कह सकती कि कब तक उन प्लाटों की नीलामी हो जायेगी। श्री सांगवान जी 20 प्लाटों को ऑक ान करने की बात लिखकर दे दे तो देख लेंगे।

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, इसी संदर्भ में मै तीन बार मंत्री महोदया से मिल चुका हूं।

डा0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, इस विशय मे ंतो श्री सांगवान ने मेरे से कोई बात नही की है। लेकिन मै उनको आपके माध्यम से बताना चाहूंगी कि ये प्लाट नगरपालिका के अधीन है और उन पर कोई नाजायज कब्जा नही कर सकता है। जब भी वहां बिड होगी तो इन्हें ऑक ान किया जायेगा।

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदया को बताना चाहूंगा कि वहां अवैध कब्जे हो रहे है।

डा0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, विधायक जी उन नाजायज कब्जों की भी लिस्ट हमें दे दे यदि कोई नाजायज कब्जा है तो मै कार्यकारी अधिकारी से जांच करवा लूंगी।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मंत्री महोदया ने बताया है कि वह मामला विचाराधीन है लेकिन मै आपके माध्यम से उनको बताना चाहूंगा कि पानीपत में एक चावला नाम के व्यक्ति को प्लाट दिया गया था जिनकी जांच हुई तो संबंधित कार्यकारी अधिकारी को सस्पैड किया गया और फिर उस बहाल कर दिया गया है जबकि आज भी वही प्लाट उसी चावला नाम के व्यक्ति के पास है। क्या मंत्री महोदया बतायेगी कि उस बहाल क्यों दिया गया है।

डा0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, उस केस मे अभी भी जांच चल रही है और पानीपत के डी0 सी0 महोदय की टिप्पणी आनी बाकी है और ई0 ओ0 को सम्पैड करने या कोई पनि मैन्ट देने का दायरा तो सरकार के पास ही है। यदि अब भी जांच रिपोर्ट में दोशी पाया गया तो उस उचित सजा जरूर दी जायेगी।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, जब इ0 ओ0 को सस्पैन्ड किया गया है तो इससे स्पश्ट है कि उसकी गलती थी

और फाईनल जांच रिपोर्ट में भी पाया गया है कि श्री चावला को गलत तरीके से प्लाट दिया गया है।

डा0 कमला वर्मा: अध्यक्ष महोदय, कई बार सस्पैड तो थोड़ी से गलत रिपोर्ट मिलने पर भी कर दिया जाता है। जबकि जांच करनो पर इतना दोश नही लाया जाता और माननीय विधायक जी भी जानते है कि सस्पैड करने या बहाल करने के लिये सरकार के कुछ नियम होते है।

श्री अध्यक्ष: मंत्री महोदय, क्या उस ई0 ओ0 को पैडिंग इन्कवायरी के तहत ही रिईस्टेट किया गया है। जैसे ही इन्कवायरी पूरी हो जायेगी उसे दोश अनुरूप उचित दण्ड दिया जायेगा।

तारांकित प्र न संख्या–922

(यह प्र न पूछा नही गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य, श्री नफे सिंह राठी सदन में उपस्थित नही थे।)

तारांकित प्र न संख्या–927

(यह प्र न पूछा नही गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य, श्री बलबीर सिंह सदन में उपस्थित नही थे।)

तारांकित प्र न संख्या–953

(यह प्र न पूछा नही गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य, श्री नरेन्द्र सिंह सदन में उपस्थित नही थे।)

Repair of Roads

967. Shri Sat Pal Sangwan: Will the Minister for P.W.D (B&R) be pleased to state the time by which the following roads of district Bhiwani are likely to be repaired:-

(i) Jai Shree road;

(ii) Charkhi Dadri Rahtak road;

(iii) Neemali-Sarugarh (approach road)

(iv) Sanwar Manheru; and

(v) Kohlawas to Sonf-Kasni road?

लोक मिर्माण (भवन एवं लड़के) मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): इन सडकों की मरम्मत चालू कलैण्डर वर्श में होने की संभावना है।

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने इन सड़को की मरम्मत चालू कलैण्डर वर्श में होने की संभावना वाली जो बात कही है, ऐसा तो पिछली दफा भी कहा गया था और पिछली दफा भी जय–श्री सड़क के लिये मैने कहा था जिसके बारे मं यह आ वासन दिया गया था कि तीन महीने के अन्दर सड़क बनकर तैयार हो जायेगी। अध्यक्ष महोदय, मैने कल भी सदन में कहा था कि जय–श्री गांव चालू कलैण्डर वर्श को 31 मार्च तक मानेंगे या 31 दिसम्बर तक मानेंगे। इसके अलावा मै आपके माध्यम से उनसे यह भी प्रार्थना करता हूं कि मेरे हल्के में जिन सड़को की हालत बहुत खराब है उनमे से एक आधा सड़क तो बनवा दें।

अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि जैसा मंत्री महोदय कह रहे है कि मेरे हल्के की चराखी दादरी–रोहतक सड़क 31 मार्च तक बना देंगे जबकि सारे स्टेट हाईवे भी बनाने के लिए सरकार ने 31 मार्च का ही समय दिया है। इसलिये उनकी यह बात भी अचम्भे की है कि उन्होंने मेरे हल्के की सड़क के लिये भी इतना ही टाईम बताया है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, श्री सांगवान जी की बात ठीक है और अकेले भिवानी या दादरी के गांवो की सड़के ही नही बल्कि सारे प्रदे ा में सड़को की हालत खराब है। हमने अभी विलेजलिंक रोड्स के निर्माण का कार्य भुरू नही किया है। इससे पहले हमने यह फैसला किया है कि स्टेट के अन्दर जितने भी स्टेट हाइवे है, सबसे पहले उनको ठीक किया जाये। इसके साथ–साथ हरियाणा राज्य के अन्दर जितने भी एम0 डी0 आर0 है उनको ज्यादा से ज्यादा ठीक करने और 500 किलोमीटर के ओ0 डी0 आर0 के ऊपर काम करने का फैसला किया है और इसमें काफी प्रगति भी हुई है। अध्यक्ष महोदय, श्री सांगवान जी जिन सड़को को ठीक करने की बात कह रहे है उसके बारे में मैं आपको बताना चाहूंगा कि आप तो जानते है कि पिछली सरकार के वक्त राज्य में बाढ़ भी आई थी लेकिन उस सरकार ने सड़कों की ओर कोई ध्यान नही दिया और पूरे राज्य की सड़कों को अनदेखा किया और खास कर भिवानी जिले में सड़को की मरम्मत का कोई काम नही कराया गया। पिछले चार पांच महीने से यह

विभाग मुझे मिला है। आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने सड़को की मरम्मत के लिए जो कार्यक्रम बनाया है वह हमे बताया है। माननीय सदस्य ने जो सड़के अपने सवाल में लिखी हुई है इनका तकरीबन हमने एस्टिमेट बनवा लिया है। इनमें में एक सड़क एग्रीकल्चर मार्किटिंग बोर्ड द्वारा ठीक की गई थी उस सड़क का जितना बकाया काम है उसको एग्रीकल्चर मार्किल्चर बोर्ड ही करेंगा। इसके अलावा माननीय सदस्य ने चरखी दादरी से रोहतक रोड़ का जिक्र किया है। उस रोड़ के कुछ भाग मे ंमिट्टी डालने का काम चला हुआ है बाकी कार्य को भी जल्दी ही पूरा करवाने की कोि ा ा करेगे।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, माननीय सदस्य ने जो सड़के गिनाई है वे वाकई मै बे सड़के है जो 1995 में बाढ़ के दौरान 8–8 और 9–9 फुट पानी के नीचे थी। इन सड़को पर 8–8 और 9–9 फुट पानी चढ़ा हुआ था। जयश्री सांगवान खाप का गांव है इसलिए उस गांव से आपका थोड़ा सा प्रेम भी है। उस समय बाढ़ के दौरान उस गांव की बिल्डिंग की दो मजिल भी दिखाई नहीं दे रही थी वहां पर उस समय 11–12 फुट बाढ़ का पानी खड़ा था। कल आपने एक आ वासन दिया था कि नै ानल हाई–वे और स्टेट हाई वे करी मरम्मत की जाएगी तो उनमें से चरखी दादरी–रोहतक रोड भी मेन रोड है वैसे तो नारनौल से रोहतक वाला रोड भी मेन रोड है। क्या आप यह आ वासन दे पाएंगे कि स्टेट हाई–वे को जल्दी से जल्दी ठीक किया जाए। उस स्टेट हाई

वे में भार्मा जी का भी साझा है, मेरा भी साझा है नृपेन्द्र जी का भी साझा है और दूसरे विधायको ंका भी संबंध है बाढ के दौरान जयश्री, सांवड से मानहेरू, कोहलावास और सौंफ कासनी में 8–8,9–9 फुट पानी खड़ा था। उस दृर्द ाा को हुए चौथा साल लग गया है इसलिए इस बात की ओर आप थोड़ी सेी अपनी नैक दिली दिखाते हुए उन सड़को की मरम्मत की ओर वि ोश ध्यान दे वरना उस सांगवान खाप के गांवो के लोग आपको वहां पर नही जाने देंगे जब तक उस सड़क को ठीक नही करवा देंगे।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, जो जयश्री गांव की सड़क है इनकी एक किलोमीटर लम्बाई की मरम्मत होनी है और उस पर चार लाख रूपय लागत आनी है। इसी तरह से कोहलावास और सौंफ कासनी की सड़क 4.17 किलोमीटर लम्बी है उस पर बड़ा भारी पैच वर्क किया जाना है। स्पीकर साहब, आप जानते है कि पिछली बेमौसमी बारि ा ने सड़को की मरम्मत के काम में बहुत रूकावट डाली। एक तरफ तो हम आर्थिक दृश्टि से भी जूझते रहे और दूसरी तरफ मौसम ने भी हमारा साथ नही दिया आपने जिन सड़को की चिन्ता जताई है उस बारे में मैं इस बात का आ वासन देता हूं कि आने वाले समय में उनको जल्दी ठीक करने की कोि ा ा करेंगे।

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): अध्यक्ष महोदय, आपने बहुत उपयुक्त बात फरमाई कि ये कोठपुतली नांगल चौधरी,

नारनौल महेन्द्रगढ़, चरखी दादरी और रोहतक रोड वाया बौंद। (विघ्न)

एक आवाजः इनमें वाया बौंद कहां से आ गया। (हंसी)

श्री राम बिलास भार्माः चरखी दादरी से रोहतक जाने के लिए कई रास्ते है, रानीला, पिलाना हो कर भी रास्ता है कुछ लोग दूसरे रास्ते हो कर भी चले जाते है। बींद एक बहुत बड़ा ऐतिहासिक गांव है यह आज की बात नही है यह बहुत पहले से है। स्पीकर साहब, यह राजस्थान का महाराश्ट्र का, दिल्ली का और उतरी भारत को दक्षिणी भारत से जोड़ने वाला रोड है इस पर पिछले 10 वर्शो से राजस्थान से आने वाला महाराश्ट्र से आने वाले व गुजरात आदि से आने वाले जितना हैवी ट्रांसपोर्ट व्हीकलज है यह वाया कोटपुतली नांगल चौधरी, नारनौल, महेन्द्रगढ़ दादरी और रोहतक की तरफ से आ रहा है। इसके कारणों को सरकार ने समझा और उपयुक्त समझते हुए माननीय मुख्य मंत्री जी ने इसका सर्वे जी ने इसका सर्वे करवाया और इस स्टेट हाईवे को फोरलोनिग में बदलने के लिए भारत सरकार के पास केस भेजा हुआ है। हम उम्मीद करते है कि यह सड़क ने ानल हाईवे डिकलेयर होगी। इसके लिए हरियाणा सरकार पूरा प्रयत्न कर रही है।

श्री नृपेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि चरखी दादरी से चिड़िया की एक

सड़क है जो कनीना और रिवाड़ी को जोड़ने वाली है। मंत्री जी को भी पता है कि इस सड़क की हालत बहुत ज्यादा खराब है? यदि यह बात इनकी जानकारी में है तो इस रोड की मरम्मत कब तक करवा दी जाएगी? क्या इसके लिए कोई समय सीमा निर्धारित की है। यदि कोई समय सीमा निर्धारित की है तो इस कार्य के लिए कितने पैसे का प्रावधान रखा गया है?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने इस बारे में पिछली दिनों जिक्र किया था। मैने उस वक्त इनको आ वासन दिया था कि हम इस सड़क को ठीक करना चाहते है। स्पीकर साहब, दादरी से चिड़िया रोड है यह पेपरों में ओ0 डी0 आर0 रोड मानों जाती है। यह सड़क 0.20 किलोमीटर की लम्बाई मेंं खराब है। इन सड़क को जैसे ही हमारे पास धन उपलब्ध होगा, ठीक करने की कोि ा ा करेंगे।

अतिवि ष्ट व्यक्तियों का अभिनन्दन

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I want to make an announcement that the Hon'ble Members of the House Committee of Bihar Vidhan Parishad and Shri Mantar Singh Brar. M.L.A Punjab Vidhan Sabha are present in the V.I.P Gallery. We welcome them. (Thumping)

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): अध्यक्ष महोदय, बिहार से जो हमारे माननीय साथी आए है और पंजाब के विधायक

भी यहां वी0 आई0 पी0 गैलरी में उपस्थिति है, मै इन सभी का सदन और सरकार की तरफ से हार्दिक स्वागत करता हूं।

तारांकित प्र न एवं उतर (पुनराम्भ)

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से चाहता हूं कि ने ानल हाईवे नं0 22 जो न केवल अम्बाला चण्डीगढ़ को जोडता है बल्कि हरियाणा से सभी प्रांतो को अपनी स्टेट की राजधानी में जोड़ता है। इस हाईवे को बीच में कुछ हिस्सा पंजाब का पड़ता है। मै जानना चाहूंगा कि इस सड़क की फोर लेनिंग में बदलने के लिए और डेराबस्सी के पास जो रेवले लाईन है उस पर ओवर ब्रिज बनाने के लिए क्या पंजाब सरकार के साथ कोई बातचीत चल रही है?

लोक निर्माण (भवन तथा सड़के) मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): अध्यक्ष महोदय, विज जी ने ठीक फरमाया है कि जो चण्डीगढ़ अम्बाला रोड है इसको फोर लेनिंग में बदलने के लिए और डेरा बस्सी में जो रेलवे फाटक पड़ती है उस पर ओवर ब्रिज बनाये जाने की सख्त जरूरत है। पिछले दिनों इस बारे में मेरी इनसे बातचीत हुई थी। मै बताना चाहूंगा कि पंजाब के संबंधित मंत्री से तो अभी तक कोई खतूतो किताबत हुआ नहीं है। मै इनको वताना चाहूंगा कि हम जल्दी ही पंजाब के मंत्री से इस सड़क को फोर लेन बनाने और सड़क को चौडा करने के बारे में

बातचीत करेंगे। यह सड़क चौड़ी तो है। यदि यह फोर लेनिंग हो जाए तो इससे लोगों को फायदा होगा।

श्री सतपाल सांगवानः स्पीकर सर, मंत्री जी ने एम0 डी0 आर0 के बारे में बताया है बड़ी खु ी की बात है कि इनको ठीक करवाने जा रहे है। अध्यक्ष महोदय, आपकी कांस्टीच्यूएंसी से दो दिन पहले मैं निकला था जीन्द से भिवानी जो रोड़ जाता है वहां पर धनाना गांव के पास जो स्टेट हाईवे है उसमें डेढ–डेढ फुट के गड्डे पड़े हुए है। मैने इस बारे में मंत्री जी से बात भी की थी और उनसे प्रार्थना भी की थी। इस सड़क की रिपेयर तो जब होगी तब होगी लेकिन मेरी प्रार्थना है कि अभी इन गड्डे को भरवाने की कृपा करें।

श्री अध्यक्षः केवल गड्डे ही नही भरबाए जाए ऐसी बात नही है। मंत्री जी यह रोड जो भिवानी से जीन्द जाती है यह एम0 डी0 आर0. है या स्टेट हाईवे है यह तो आप अपने रिकार्ड से देख ले लेकिन भिवानी से मुण्ढाल खुर्द तक सड़क पिछले दो साल से बुरी तरह से टूटी हुई है यह मेरी कांस्टीच्यूऐंसी का ऐरिया है। केवल आ वासन से काम नही चलेगा, मंत्री जो नि चत रूप से भरोसा दिलाए कि भिवानी से जीन्द रोड कब तक ठीक हो जाएगी?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, सांगवान साहब ने जो स्टेट हाईवे की बात कही है उसने बारे में में उनको बताना

चाहूंगा कि 118.94 किलो मीटर स्टेट हाईवे को ठीक करने का लक्ष्य हमने माना है और उसमें से 64.11 किलो मीटर रोड हम ठीक करवा चुके है और 54.83 कि0 मी0 सड़क का काम अभी किया जाना है। स्पीकर सर, जिस सड़क का आपने जिक्र किया और जैसे कि मेरी आपसे कल बात भी हुई थी मैने विभाग में हमारे विभाग को वहां पर काम करने में काफी दिक्कत आती है। जैसे मैने पहले बताया है जो थोड़ी–बहुत रोड ठीक होती भी है उसमें मौसम खराब होने की वजह से और बारि ा होने बताया है जो थोड़ी–बहुत रोड ठीक होती है उसमें मौसम खराब होने की वजह से और वारि ा होने के कारण काम में रूकावट आ रही है। स्पीकर सर, मैने अधिकारियों से इन बारे में बात की है और मुझे वि वास है कि आने वाले समय में जल्दी ही इस रोड को ठीक कर दिया जाएगा।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, वहां पर वाटर लोगिग की कोई प्रॉब्लम नहीं है। वहां पर बढेसरा टिब्बा से कितनी ही रेत ले लीजिए वाटर लेगिंग की कोई प्रॉब्लम नही है।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, अभी माननीय मंत्री जी ने बताया है कि रिपेयर वर्क करवाने के लिए प्रायेरिटी बनाई है पहले स्टेट हाईवे ठीक करेंगे फिर एम0 डी0 आर0 ठीक करवाएं जाएगे और फिर बिजेल लिंक रोड्ज ठीक करवाएं जाएगें। मै आदरणीय मंत्री जी से यह पूछना चाहूंगा कि बिजेल लिंक रोड्ज का काम कितने दिन में भाुरू हो जाएगा?

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर सर, बिलेज रोड्ज को ठीक करने का जहां तक ताल्लुक है, तमाम राज्य में जितने भी बिलेज लिंक रोड्ज है उनको ठीक करवाने का कार्यक्रम हम मार्च के बाद बनाने जा रहे है। स्पीकर सर, आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने यह आदे ा भी दिए है कि विलेज लिक रोड्ज पर जो गड्डे है उन पर मैच वर्क कर दिया जाए। मुझे वि वास है कि मार्च के बाद तमाम राज्य में जितने भी विलेज लिक रोड्ज है उनको हम ठीक करवाने की कोि ा ा करैंगे।

श्री जगदी ा नेयरः अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में 4–5 रोड्ज रहते है। आदरणीय मुख्य मंत्री जी के जलसे के लिए भी दिन नियम हो चुका है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि बावन खेड़ा से हसनपुर रोड़, होडल से गढ़ी पट्टी रोड़, रसूल पुर से हसन रोड और होडल से खामी रोड तीन फुट चौड़ा करने का मंत्री जी ने मुझे आ वासन भी दिया था और होडल बस स्टैंड से डबचिक रोड का काम भी होना है। अध्यक्ष महोदय, मै आदरणीय मंत्री जी से यह प्रार्थना करना चाहूंगा कि पूर्व मंत्री श्री धर्मबीर जी ने इस काम को करवाने का आ वासन दिया था। मै मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि मेरे हल्के के रोड्ज की रिपेयर कब करवा दी जाएगी?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, ये बहुत ही महत्वपूर्ण सड़के है और उन पर काफी ट्रैफिक भी चलता है। लेकिन स्पीकर साहब, धन का अभाव होने की वजह से अभी हम

उन सड़को का बनाने के बारे मं विचार कर रहे है और जैसे ही हमारी वितीय हालात ठीक होती है हम उन सड़को का ठीक करवाने की कोि ा ा करेंगे।

श्री कैला ा चन्द्र भार्मा: स्पीकर साहब, मेरे ख्याल से जितनी भी सड़को के बारे में यहां पर पूछा गया है उनमें सबसे महत्वपूर्ण सड़क कोटपुतली से महेन्द्रगढ़ होती है हुई दादरी आती है वह सड़के है और इस सड़क पर सबसे ज्यादा ट्रैफिक चलता है। इसको सबसे पहले ठीक करवाया जाए। अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी यह भी बताएं कि क्या इस सड़क की नै ानल हाई–वे बनाने जा रहे है।

श्री कर्ण सिंह दलाल: स्पीकर साहब, जैसे पहले राम बिलास भार्मा जी आ वासन दे चुके है और यह तो इन्होने कोटपुतली से दादरी वाली सड़क की बात की तो इस बारे में मुख्य मंत्री जी ने आदे ा भी दिए है और हम मिनिस्टर आफ सरफेस ट्रांसपोर्ट गवर्नमैंट आफ इण्डिया से जल्दी ही बात करने जा रहे है और राज्य सरकार की तरफ से भी उनको लिखकर भेज रहे है कि इस सड़के को ने ानल हाई–वे बना दिया जाए।

श्री कपूर चन्द भार्मा: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम सें मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि भााहबाद से कलसाना, नलवी और ठोल होते हुए जो सड़क अम्बाला हिसार रोड से मिलती है इसकी 20 कि0 मी0 लम्बाई है। इसमें बहुत बड़े–बड़े गड्डे पड़

गए है और आजकल गन्ने का सौजन है। जमीदारों का उस सड़क से माल ढोना बहुत ही कठीन पड़ता है। हर रोज वहां पर ट्रालियां टूटती है। उस सड़क की तरफ मंत्री महोदय को जल्दी ध्यान देना चाहिए। दूसरे भााहबाद से मदनपुर, मलकपुर ढकाला और अजराना होते हुए झांसा रोड से सड़क मिलती है उसकी 18 कि0 मी0 लम्बाई है। यह भी बहुत टूटी हुई है। मंत्री महोदय, इस बारे में भी बताएं कि इसको कब तक ठीक करवा देंगे।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, माननीय वैद्य साहब ने पहले जिस सड़क के बारे में बात की है उसके बारे में मैं इनको बताना चाहूंगा कि जब भाूगर मिलों मं गन्ने की पिराई का सीजन भाुरू हुआ था उससे पहले हमन प्रदे ा की जितनी भी भाूगर मिल्ज है उनके प्रबन्धको से और अपने विभाग से बात की थी और हमने कोि ा ा यह की की जो सड़के और रास्ते भाूगर मिलों को जाते है उन रास्तों में किसानों साहब, अगर समझते है कि यह सड़क जो इन्होंने बताई है भाूगर मिल को जाती है तो ये अब भी हमें लिखकर दे दें हम इसको प्राथमिकता पर ठीक करने की कोि ा ा करेंगे। अध्यक्ष महोदय, दूसरी सड़क के बारे में इन्होने कहा है तो उस बारे में मै यह कहना चाहूंगा कि जब सड़को की मरम्मत का रूटीन कार्य चलेगा तो उसमें हम उसको भी ठीक करने की कोि ा ा करेंगे।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम सें मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या सड़कों के रख–रखाव, उनको

बनाने या उनको ठीक करने के लिए सरकार द्वारा कोई कारपोरे ान बनाने पर विचार किया जा रहा है। यदि किया जा रहा है तो उसका एरिया आफ स्कोप क्या होगा।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में पिछले दिनों कैबिनेट की मीटिग में एक प्रस्ताव पास हुआ है और हम जल्दी ही हरियाणा में सड़क और ब्रिर्जिज निगम बनाने जा रहे है। उसके दायरे के बारे में इन्होंने बात की है। उसमें हमारी कोि ा ा यह है कि आजकल धन के अभाव की वजह से न नई सड़के बन पाती है और जहां पर रेलवे ओवर ब्रिजिज बनाने की आव यकता है वह भी नही बन पाते है। जो महत्वपूर्ण सड़के है उन पर भी कोई कार्य नही हो जाता है। यह जो हमने कारपोरे ान बनानी है इसका दायरा पूरा हरियाणा प्रदे ा होगा। जो महत्वपूर्ण सड़के है, रेलवे ओवर ब्रिजिज और बाईपास है हम उन सबको उसमें भाामिल करने की कोि ा ा करेंगे और कारपोरे ान के माध्यम से हम उन सबको बना करके प्रदे ा के लोगों को यह सुविधा देने की कोि ा ा करेंगे।

तारांकित प्र न संख्या 944

(यह प्र न पूछा नही गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य भी रामफल कुंडू सदन में उपस्थित नही थै)

Completion of Service lane, Panipat

975. Shri Om Parkash Jain: Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state whether it is a fact that the construction work of service lane on G.T. Road within the limits of Municpal work of service lane on the G.T. Road within the limits of Municpal Committe, Panipat is lying in complete; if so the reasons thereof togetherwith the time by which it is likely to be completed?

लोक निर्माण (भवन एवं सड़क) मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): यह ठीक है कि जी0 टी0 रोड पर नगरपालिका पानीपत की सीमा में (कि0 मी0 88.700 से कि0 मी0 92.800 तक) सर्विस लेन का निर्माण कार्य अभी अधूरा है। मूल ठेकेदार को मई 1996 में घटिया कार्य के कारण निश्कासित कर दिया गया था। कार्य नए ठेकेदार को जुलाई, 1998 में अलाट किया। सर्विस लेने का निर्माण कार्य दिसम्बर, 1999 तक पूर्ण होने की संभावना है।

श्री ओम प्रका ा जैन: अध्यक्ष महोदय, वहां पर काम चालू है इसमें कोई भाक की बात नही है। इसमें मंत्री जी बहुत मेहरबानी है। अध्यक्ष महोदय, लेकिन जो पहले की सरकार ने वहां पर सर्विस लेन बनाई थी वह भी बिना बनी जैसी हो गई है। क्या मंत्री जी उसको भी रिपेयर करवाऐं या नही करवाएगे। दूसरे अध्यक्ष महोदय, पानीपत भाहर बहुत भीड़ वाला भाहर है, वहां पर कोई वाई पास नही है। जिस वजह से वहां पर बहुत ही दिक्कत होती है। अध्यक्ष महोदय, गोहाना सें असंध तक एक सड़क जाती है और वह गोहाना रोड से जाकर आगे जी0 टी0 रोड पर मिल जाती है। उसके लिए नाबार्ड में 50 लाख रूपये आ चुके है। इस

रोड की वाइडनिंग के लिए वहां पर कुछ पेड़ कटने है। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या विभाग ने वहां पर पेड़ कटवाने के लिए कोई परमि ान ली है, क्या कोई कार्यवाही इस बारे मैं की है, यदि नही की है तो में इसमें कहना चाहूंगा कि जल्दी से जल्दी यह परमि ान ली जाए ताकि उस रोड पर वह 50 लाख रूपये खर्च हो सकें और वहां पर एक मिनी वाई पास बनाया जाए? इसके अलावा मंत्री जी ने जी0 टी0 रोड, पानीपत में सर्विस लेन बनाने का आ वासन दिया है उसके लिए में इसका धन्यवाद करता हूं।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मामनीय जैन साहब ने बिल्कुल ठीक कहा है कि पानीपत भाहर के बीचों बीच से जो राश्ट्रीय राजमार्ग गुजरात है उसमें बहुत भीड़ रहती है जिसके कारण वहां पर आने जाने वाले वाहनों को तथा आने जाने वाले लोगों की बड़ी दिक्कत होती है। इन्होंने जो वहां पर पानीपत भाहर से बाहर सड़क बनाने के बारे में बात कही है उसको बताना चाहूंगा कि इस बारे मं हमारे विभाग ने सोचा जरूर है लेकिन अभी कोई पुख्ता कार्यवाही का मन नही बनाया है। हम जो निगम बनाने जा रहे है तो इसके बनाने का एक उद्देय हमारा यह भी है और हमारे विभाग ने इसको ठीक पाया तो हम पानीपत भाहर के अन्दर एक ऐलीवेटिड हाई–वे बनाकर वहां से भीड़ को निकालने का प्रयास करेंगे। हमारा यह प्रस्ताव वाई पास से भी अच्छा हो सकता है लेकिन स्पीकर सर, आप जानते है कि इसके लिए हमें

साधन और समय की जरूरत पड़ेगी। लेकिन सरकार इस बारे में चिंतित जरूर है कि पानीपत भाहर के अंदर से इस समय जो वाहन गुजरते है उनको वहां से ठीक तरह से निकालने के लिए कोई न कोई तरीका अपनाया जाए। जिस प्रस्ताव के बारे में जैन साहब ने कहा है कि उसके बारे में अभी विचार होना है। स्पीकर सर, आप जानते ही है कि पिछले पांच–दस सालों से पिछली सरकारों ने न तो नहरों की सफाई के बारे में कोई ध्यान दिया और न ही प्रदे ा की सड़को की तरफ गौर किया। जहां तक इन्होंने पेड़ो को काटने की बात कही है पेड़ो को काटने के लिए हमें भारत सरकार से अनुमति लेनी पड़ती है। अगर वहां पर सड़के बनाने मैं पेड़ रूकावट बनते है तो हम उनको काटने के लिए अनुमति लेंगे। इसके अलावा इनके भाहर में जो सर्विस लेन टूटी हुई पड़ी है उसकी भी हम ठीक करवाने की कोि ा ा करेंगे।

श्री ओम प्रका ा जैनः अध्यक्ष महोदय, वहां पर सड़क बनाने के लिए विचार की बात नही है बल्कि वहां पर नाबार्ड से उसके लिए 50 लाख रूपये आ चुके है लेकिन वहां पर पेड़ो को काटने की महकमे से कहकर इस बारे में एक केस बनबाना चाहिए चाहे वह पेड़ काटने का केस हो या चाहे डायक ान का केस हो लेकिन यह केस बनावाकर जल्दी से जल्दी महकमे को भेजना चाहिए ताकि यहां पर वे पेड़ कट सके और वह सड़क बन जाए एवं वह पैसा भी खर्च हो जाए।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मै पहले ही माननीय सदस्य की बता चुका हूं कि जो नया निगम जा है उसके मायने यही है कि पानीपत भाहर के अंदर मं ट्रेफिक ठीक तरह से निकाला जाए। इस बारे में हमारे विभाग का भी और सड़को के भीघ्र से संबंधित एक्सपर्ट्स का भी यही मानना है कि पानीपत भाहर में वहां पर जब तक एलीवेटिड हाई–वे हनी बनेगा तक तक वहां के ट्रैफिक का कोई समाधान नही हो सकता। इसके अलावा जहां तक इन्होने दूसरी सड़क के बनाने के बारे में कहा है तो ये किसी दिन मेरे कार्यलय में आ जाएं मै इनके सामने ही अपने अधिकारी से बात कर लूंगा और इनकी दिक्कत का समाधान निकलवा दूंगा।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, करनाला–अम्बाला फोरलेनिंग के बारे में जहां तक मेरी जानकारी है कि उसकी समय सीमा खत्म हो गयी है। मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि करनाल अम्बाला फोरलेनिंग का बनाने की समय सीमा बढ़ायी गयी है या नही? अगर बढ़ायी गई है तो कब तक और कब तक यह काम पूरा हो जाएगा?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, इस समय मेरे पास इस बारे में पूरे तथ्य उपलब्ध नहीं है लेकिन में इनको इस बारे में पत्र लिखकर पूरी जानकारी दे दूंगा।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, जैसा इन्होंने बताया कि सरकार पानीपत भाहर में एक एलीवेटिड हाई–वे बनाने जा रही है। मै मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि यह हाईवे कब तक पूरा कर दिया जाएगा?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैने यह नही कहा कि हम बनाने जा रहे है बल्कि मैने यह कहा कि हमारा विभाग अभी इस बारे में सोच रहा है और हमारा मानना यह है कि अगर वहां पर एलीबेटीड हाई–वे बना तो वहां पर लोगों को आने जाने की सुविधा हो जाएगी। हम जो प्रदे ा के अंदर सड़क एवं पुलो का एक नियम बनाने जा रहे है तो इन्ही बातों को मद्देनजर रखते हुए बनाया जा रहा है। प्रदे ा की इस तरह की जो भी समस्याएं होगी चाहे वह रेलवे ओवर ब्रिज हो, चाहे ऐलिवेटेड ब्रिज हो, चाहे बाई पास हो, चाहे स्टेट हाइवे हो, चाहे एम0 डी0 आर0 हो उनके बनाने पर विचार कर रहे है, उनको बनाने का कार्यक्रम नही बनाया है।

श्री अध्यक्षः कादयान साहब, यह तो अभी मैट्ल ऐक्सरसाइज है।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने जैसा कि अभी निगम के बारे में बताया है कि निगम बनाने जा रहे है तो मै जानना चाहता हूं कि जब लोक निर्माण विभाग है तो निगम बनाने से क्या फायदे होंगे, यह जरूर बताएं?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, निगम से होने वाले फायदों के बारे में मै पहले ही बता चुका हूं। अगर ये कहें तो फिर से बताऊं। जहा तक ने ानल हाइवे का संबंध है यह सारी बाते हमारे हाथ में नही होती उसके लिए भारत सरकार से भी इजाजत लेनी पड़ती है, भारत सरकार जब इजाजत दे देती है तब ने ानल हाईवे अथौरटी ही उस पर काम करती है और उसके बाद वह राज्य सरकार को इस बारे में बताते है।

तारांकित प्र न संख्या 980

(यह प्र न पूछा नही गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य भी बंता राम सदन में उपस्थित नही थे)

तारांकित प्र न संख्या 812

(यह प्र न पूछा नही गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य भी देवराज दीवान सदन में उपस्थित नही थे)

तारांकित प्र न संख्या 925

(यह प्र न पूछा नही गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य भी बलबीर सिंह सदन में उपस्थित नही थे)

Building of Charkhi Dadri Hospital

968. Shri Sat pal Sangwan: Will the Minister for Health be pleased to state-

(a) whether it is a fact that building of Hospital Charkhi Dadri recently taken over by the Government is in dilapidated conditions, if so, the time by which it is likely to be repaired; and

(b) the time by which building of Primary Health Centre, Achina is likely to be Completed/start functioning?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा महाजन)

(क) जी, नही।

(ख) भवन भीघ्र पूर्ण करने हेतु प्रयत्न किये जाएंगे।

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने (क) के जवाब में बताया कि जी नही। ये बहुत ही सीनियर मंत्री है फिर भी ऐसा जवाब दे रहे है। भाायद इन्होंने उस अस्पताल की हालत देखी नही है, जैसा महकमे के अफसान इनको बता दिया उसी के आधार पर इन्होंने कह दिया कि जी नही। अध्यक्ष महोदय, यह अस्पताल पहले तीन साल तक बंद रहा। उसके बाद माननीय मुख्य मंत्री की मेहरबानी से व दादरी भाहर की जनता की मांग पर 17–11–97 को इस अस्पताल को सरकार द्वारा टेकओवर किया गया था। टेकओवर करने के बाद तीन साल तक तो इसमें कबूतर घूमते रहे। इस अस्पताल की बिल्डिंग का बुरा हाल है। फिर भी मंत्री जी उस बिल्डिंग को बनाने के बारे में कह रह है कि जी नही।

श्री ओम प्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय, यह अस्पताल भाहीद उधम सिंह जैन के नाम से है इसको सरकार द्वारा 17–11–97 को टेकओवर किया था और उस अस्पताल की जो सिफ्ट डीड है उसकी संस्था के जो मैम्बर्ज है उनके द्वारा 19 फरवरी को मोटिंग करनी है। हमने पी0 डब्लू0 डी0 से 2 लाख 49 हजार, 190 रूपये के ऐस्टीमेंट बनाकर सरकार को भेजे हुए है और जल्द ही मार्च तक व एप्रव होकर आ जाएगे। उसके बाद आगे की कार्यवाही की जायेगी। बाकी मैं मे ान के बाद जब सांगवान साहब, हुक्म करेंगे मौके पर जाकर देख आऊगा।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, यह अस्पताल दादरी सब–डिवीजन के मुख्य केन्द्र पर स्थित है जो कि तीन विधायकों से संबंधित है एक तो मेरी कांस्टीच्यूएंसी, एक श्री नृपेन्द्र सिंह जो की व एक सतपाल सांगवान जी की कांस्टीच्यूएंसी सें संबंधित है। पहले वहां पर जो सरकारी अस्पताल था उसमें 1993 और 1995 के बाढ में 9–9 फुट पानी चढ़ गया था और कई दिन तक पानी खड़ा रहा था जिसकी वजह से सरकारी अस्पताल की सारी बिल्डिंग खराब हो गई थी। भाहीद उमध सिंह जैन संस्था ने नई बिल्डिंग सरकारी अस्पताल के लिए बना कर दे दी हैं, वह करोड़ों रूपये की बिल्डिंग है, क्या सरकार उस पर थोड़ा बहुत पैसा खर्च करके उसकी मरम्मत कराएगी। क्या आप वह उदातापूर्वक बताएंगे कि यह काम कब तक हो जाएगा? बाकई में उस बिल्डिंग की मरम्मत की जरूरत है।

श्री समपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, (ख) भाग के बारे में में मंत्री महोदय को बताना चाहता हूं कि अचिना पी0 एच0 सी0 की बिल्डिंग बन कर तैयार हो चुकी है लेकिन उसमें अर्थ फिलिंग और सैनेटरी का काम बाकी है और अगर ऐसे ही उस बिल्डिंग का काम अधूरा रहा तो 2–4 महीने में वह बिल्डिंग कोलैप्स भी हो सकती है में मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि उस पी0 एच0 सी0 की बिल्डिंग के इस काम को कब तक पूरा कर दिया जायेगा।

श्री ओम प्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ठीक कह रहे है कि अंचिना पी0 एच0 सी0 की बिल्डिंग बन कर तैयार हो चुकी है लेकिन सैनेटरी और अर्थ फिलिंग का काम बाकी है जिस पर लगभग 19 लाख रूपये का खर्च होना है। इसमें दुर्भाग्य की बात यह रही कि बिल्डिंग का एस्टिमेंट पहले बना दिया गया और सैनेटरी और अर्थ फिलिंग का एस्टिमेट बाद में बनाया गया। इसमें से 9.17 लाख रूपये सैनेटरी पर और 9.83 लाख रूपये अर्थ–फिलिग पर खर्च होने ह। हमने ये दोनों एस्टिमेंट 18–10–98 और 14–11–98 को वित विभाग को भेजे हुये है और जैसे ही इन एस्टिमेंट की एप्रुवल आ जायेगी पी0 एच0 सी0 का बचा हुआ यह काम पूरा दिया जायेगा।

श्री कै ाला चन्द भार्माः स्पीकर सर, पिछले साल वर्शा के दौरान नारनौल अस्पताल की चार दीवरी गिर गई थी। इस बारे मैने माननीय मुख्यमंत्री जी से भी अनुरोध किया था और उन्होंनें इस काम के लिए पांच लाख रूपये मंजूर भी कर दिये थे और एक

महीने में इस काम को पूरा करने को कहा गया था। लेकिन अन बातों को एक साल होने को आया है। और उस चार दीवारी को बनाने का काम भुरू नही हुआ है। मै माननीय मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि वे कृपाया ये बताने का कश्ट करें कि इस काम की अब तक क्या प्रोग्रैस हुई है।

श्री ओम प्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय, जो माननीय सदस्य ने सवााल पूछा है यह सवाल बनता तो नही है फिर भी मै इसका जबाव दे देता हूं। जो यह चार–दीवानी अस्पताल की बननी है वह चार फुट चौड़ी और 150–500 फुट की चार दीवारी एक साथ बननी है और इस पर लगभग 2.80 लाख रूपये खर्च होगे। इसका एस्टिमेंट वित विभाग को भेजा हुआ है और जैसे ही एस्टिमेट की एप्रूबल आ जायेगी तो अस्पताल की चार दीवारी बना दी जायेगी।

श्री नृपेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि मेरे हल्के में हडौदी पी0 एच0 पी0 के लिए एक दानी व्यक्ति न जमीन उपलब्ध करवा दी है परन्तु उस पी0. एच0 पी0 का भवन अभी तक नही तक नही बनाया गया है, उस भवन का निर्माण कब तक करवा देंगे। दूसरा भिवानी जिले में ऐसी कितनी पी0 एच0 सी0 है जिनके लिए पंचायतों ने जमीन उपलब्ध करवा दी है परन्तु उनका भवन निर्माण अभी तक नहीं किया गया है।

श्री ओम प्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय, सारी डिटेल तो अभी मेरे पास नही है मै ंमाननीय सदस्य को सै ान के बाद इस बारे में सारी जानकारी दे दूंगा।

श्री अध्यक्षः लिखित रूप मे दे देना।

श्री ओम प्रका ा महाजनः ठीक है सर।

श्री सोमबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि मेरे हल्के में सूरपूरा खुर्द हैल्थ सब सैंटर का पोजै ान कब तक लेंगे क्योंकि इस हैल्थ सब सैंअर का भवन बन कर तैयार हो चुका है और अगर ऐसा ही रहा तो उस भवन की मरम्मत करवाने की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

श्री ओम प्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय, वास्तव में दिक्कत कुछ और ही है। जिस समय पंचायतों से जमीन ली जाती है, उस जमीन पर बिल्डिंग तो चाहे चादंनी चौक पर बना दी जाए या कही और बना दी जाए उस पर खर्च तो एक समान ही आना है लेकिन अस्पताल के लिए गलत स्थान चुनने के कारण जो कि गांव से काफी दूरी पर स्थित होता है, उस अस्पताल में मरीज नही आते है। पिछले 10–12 सालों मे ऐसी कई अस्पताल कि बिल्डिंग बनी जो कि गांवों से काफी दूरी पर स्थित है। इस बारे में सांगवान साहब भी यह रहे थे कि बिल्डिंग तो बन गई लेकिन वहां पर अर्थ–फिलिंग नही हुई उसकी वजह से उसको सरकार द्वारा टेक–ओवर नहीं किया गया है। इसी प्रकार से जैसे सोमबीर

सिह जी बता रहे है कि वहां पर सब सैटर की बिल्डिंग तो बन गई है लेकिन वहां पर आने जाने के लिए रास्ता नहीं बन सका है, उसकी वजह से उसको टेक ओवर नही किया जा सका है। अध्यक्ष महोदय, मै इस बारे में आज ही पता करके इन को जवाब दे दूंगा।

श्री सोमबीर सिहः अध्यक्ष महोदय, जिस सब–सैंटर की बिल्डिग की मै बात कर रहा हूं वह गांव के बिल्कुल बीच में स्थित है।

श्री ओम प्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय, उस बिल्डिंग को अब तक टेक ओवर क्यों नहीं किया गया है, हम बारे में जैसे कि मै पहले ही बता चुका हूं पता करके आज ही इनको बता दूंगा।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, मेरे हल्के के गांव बामाला की पी0 एच0 सी0 बिल्कुल सड़क पर स्थित है उसकी सड़क के साथ चारदीवारी बननी बीच में ही रह गई है जिसके कारण उस में प ा बगैरह आ जाते है। यह मामला कई बार डिस्कस भी हो चुका है। क्या आप इस को बनवाने का आ वासन देंगे?

श्री ओम प्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय, आपके हल्के के लिए तो माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने एक करोड़ छियालीस लाख रूपय मंजूर किए है तथा इसके लिए भाायद 15 मार्च की तारिख भी नि ाचत कर दी है। सै ान के बाद जिस दिन भी हम

वहां पर जाएंगे तो उसी दिन मामला, पी0 एच0 सी0 की सड़क के साथ वाली चारदीवरी को बनाने के बारे में भी मौके पर ही देख लेंगे तथा उसके बाद उसका एस्टिमेंट बनवाकर उसे बनवा देंगे।

श्री सोमबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरे सब सैटर का जो अभी जिक्र हुआ था, उसके बारे में में पूछना चाहूंगा कि उसको कब तक टेक–ओवर कर लिया जाएगा?

श्री ओम प्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय, जैसे कि मै पहले ही अर्ज कर चुका हूं कि सै ान खत्म होते ही मैं अपने तौर पर पता करके इन को बता दूंगा।

11.00 बजे

श्री अध्यक्षः अब प्र न काल खत्म होता है।

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, हमारे बहुत से महत्वपूर्ण प्र न लगे हुए है तथा आज वह स़त्र भी खत्म होने के वाला है इसलिए आपसे प्रार्थना है कि कृपया प्र न काल को समय बढ़ा है।

श्री अध्यक्षः सांगवान साहब, आप अपनी बात भ्ाुन्य काल के दौरान कह लेना।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, हमारे बहुत ही महत्वपूर्ण प्र न अभी पूछने बाकी रहते है। इसलिए आप हम

प्र ने के लिए समय दीजिए और प्र न काल का समय आधें घण्टे के लिए और बढ़ा दीजिए।

Mr. Speaker: That is not permissilbe under the Rules, because the Question Hour is already over.

नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उतर

Repacement of Wooden Ballies with Iron Poles

872. Shri Anil Vij: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to replace wooden Ballies (Poles) with Iron Electric Poles in Mahesh Nagar, Gobind Nagar and other areas of Ambala Cantt; and

(b) if so, the time by which the aforesaid work is likely to be completed?

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल):

(क एवं ख) लकड़ी की बल्लियों (पोलों) को लोहे के बिजली के पोलों के साथ बदलने का कोई प्रस्ताव नही है। धन की उपलब्धि पर निर्भर करते हुए महे ानगर, गोबिन्दनगर तथा अम्बाला कन्टोनमैंट के अन्य क्षेत्रो में लकड़ी के पोलो को प्री–स्ट्रैस्ड सीमेट कंकरीट पोलो के साथ बदलने का प्रस्ताव है।

Construction of New Roads

978 Shri Banta Ram: Will the Minister for P.W.D. (B&R) he pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the roads of the tollwing villages:-

(i) from Guda to Godi;

(ii) from Gundiyana to Kasyap Majra; and

(iii) from Hartan-Sikandra to Hiran Chapar?

लोक निर्माण (भवन तथा सड़के) मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): गुदियाना से क यप माजरा तक सम्पर्क सड़क निर्माण का प्रस्ताव है। तथापि गुढ़ा और हड़तान सिकन्दरा से हिरण छप्पड़ तक सड़क निर्माण का कोई प्रस्ताव नही है।

Completion of the Grain Market Safidon

945. Shri Ram Phal Kundu: Will the Minister of State for Horticulture & Marketing he pleased to state-

(a) whether it is a fact that the construction work of New Grain Market, Safidon is lying incomplet;

(b) if so, the time by which the constuction of the aforesaid Grian Market is likely to be completed?

बागवानी तथा विपणन राज्य मंत्री (श्री जगबीर सिंह मलिक):

(क) इस मण्डी की चार दीवारी का कार्य पूर्ण है। दूसरे विकास कार्यो का निर्माण अभी भाुरू किया जाना है।

(ख) इस मण्डी की रूपरेखा पुनः विचाराधीन है तथा कार्य चरणवद्धता से किया जाएगा। प्रथम चरण का कार्य भारू होने के प चात दो वर्श में पूरा होने की संभावना है।

वि व–बैक से लिए गए ऋण से संबंधित मामला

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, एक बहुत ही अहम मुद्दा रह गया है तथा आज सत्र भी खत्म होने जा रहा है। वह यह है कि बिजली के उत्पादन तथा प्रसारण में सुधार के बारे वि व बैंक से लिए गए ऋण के संबंध में हम सरकार से कुछ जानकारी लेना चाहते है, इसलिए आपसे प्रार्थना है कि इस मुद्दे पर यहां पर डिस्क ान करवाने की अनुमति प्रदान करे।

श्री अध्यक्षः ठीक है आप सभी इस मुद्दे पर डिस्कस कर सकते है।

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा की जनता को 24 घंटे बिजली देने की बात चली है। वि व बैंक से बिजली के सुधारीकरण हेतू हम 2400 करोड़ रूपय का ऋण लेने जा रहे है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मै पहली लोन बिजली की जनरे ान के लिए या बिजली की ट्रांसमि ान के लिए ले रही है उस पर रेट आफ इंट्रस्ट क्याय है? उस रेट इंट्रस्ट को देने से हमारे यहां बिजली कितनी मंहगी होगी। अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय से यह भी जानना चाहता हूं कि वर्ल्ड बैक जो 2400 करोड़ रूपय का लोन दे रहा है उस लोने को देने की भी तो

कोई कंडी ान होगी। हम जो किसानों की सबसिडी दे रहे है क्या उसके ऊपर तो उस लोन का कोई असर नही पड़ेगा?

लोक सम्पर्क राज्य मंत्री (श्री अतर सिंह सैनी): अध्यक्ष महोदय, मेरे माननीय साथी ने जो पहला सवाल पूछा है कि हमने वर्ल्ड बैक से 2400 करोड़ रूपये को लोन क्यों लिया है, इतना कर्ज लेने की क्या जरूरत थी। इस बारे में मै अपने माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि आज से 28–30 साल पहले हमारे मुख्य मंत्री महोदय चौधरी बंसी लाल जी ने हरियाणा के हर गांव में बिजली पहुचाई थी और उस समय जो बिजली के खंबे, तार और ट्रांसफार्मर आदि लगाये गये थे उनकी अब उम्र खत्म हो चुकी है। क्योंकि उसके बाद दूसरी सरकारों ने उनकी मरम्मत नही करवायी। अध्यक्ष महोदय, हमारे मुख्य मंत्री महोदय न चुनाव के दौरान हरियाणा की जनता से वादया किया था कि हरियाणा की जनता को 24 घंटे बिजली देंगे। अपने इस वायदे को पूरा करने के लिए चौधरी बंसी लाल जी ने उड़ीसा के मुख्य मंत्री महोदय प्रदे ा को बिजली देने के लिए तैयार हो गये थे। लेकिन हमारे इंजीनियर्ज ने कहा कि हमारे ट्रांफार्मर और बिजली के तारे आदि बेकार हो चुकी है। इन ट्रांसफार्मर्ज ने कहा कि हमारे बिजली आयेगी वह पूरी नही आ सकती और उन पूरानी ट्रांसफार्मज और बिजली का तारों को रैन्यूवट कराने के लिए पैसा चाहिए था। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार के पास पैसा नही था और पैसा दी तरह से मिल सकता था। एक तो जनता पर नये कर लगाकर और दूसरा किसी से

लोन लेकर। जब यह बात हमारे मुख्य मंत्री महोदय के सामने रखी गई तो उन्होंने कहा कि हम कर तो लागयेगे नही, पैसा किसी एजेंसी से उधार ले लो और बिजली बोर्ड के सिस्टम को ठीक करवाओ। हमारे मुख्य मंत्री ने कहा कि जब बिजली से पैसा आना भाुरू हो जायेगा तब तो हम यह आपना कर्ज उतार देंगे अध्यक्ष महोदय, इसलिए हमने वर्ल्ड बैंक से 2400 करोड़ रूपये क कर्जा लिया है ताकि हरियाणा प्रदे ा में बिजली के ट्रांसफर्मर तारे आदि को ठीक करवाकर हरियाणा प्रदे ा की जनता को 24 घंटे बिजली दे सके और और चौधरी बंसी लाल जी अपना वादा पूरा कर सके। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मेरे माननीय साथी दूसरी बात यह पूछ रहे थे कि इस लोन पर रेट आफ इंट्रस्ट क्या होगा? इस बारे मे मै बताना चाहता हूं कि इसका रेट आफ इंट्रस्ट 13 प्रति ात होगा। इसके साथ–साथ यह भी बताना चाहता हूं कि हम यह पैसा सीधा नही मिल रहा है बल्कि यह पैसा लोन के रूप में पहले भारत सरकार को मिलेगा और भारत सरकार बाद में हमें जो 2400 करोड़ रूपये मिलेंगे उसमें से हमें 1680 करोड़ रूपये वापिस देने होंगे। इस तरह सै हमें 70 प्रति ात पैसा वापिस देना होगा और 30 प्रति ात पैसा हमें सबसिडी के रूप में मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, अगर हम टोटल लोन मे से 30 प्रति ात सबसिडी का पैसा निकाल दे तो हमें रेट आफ इंट्रस्ट 9.1 प्रति ात ही पड़ेगा। इससे कम इंट्रस्ट पर पैसा कही से भी नहीं मिलता।

Shri Sat Pal Sangwan: Whether it is a compound interest or a simple interest?

श्री अतर सिंह सैनीः अध्यक्ष महोदय, हमें इसका भुगतान 9.1 प्रति वर्श के हिसाब से करना पड़ेगा।

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि हमने वर्ल्ड बैक से जो लोक लिया है उस के बाद किसनों को हम जो सबसिडी देते है क्या उस पर कुछ असर पड़ेगा? क्या बिजली के रेट में भी कुछ बढ़ोतरी होगी?

श्री अतर सिंह सैनीः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य श्री सतपाल सांगवान जी को बताया चाहूंगा कि किसान को जो बिजली पर सबसिडी दी जाती है इसके बारे में हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी ने 1971 में एक स्लैब सिस्टम लागू किया था और उस समय किसानों की बिजली बहुत सस्ती दी जाती थी। लेकिन उसके बाद आज तक जो पिछली सरकारों के मुख्य मंत्री रहे है उन्होंने कई बार बिजली के रेट बढ़ाये है और लगभग दुगुने कर दिये है। उक वक्त 25 पैसे प्रति यूनिट किसान को बिजली दी जाती थी जी कि अब बढ़कर 50 पैसे प्रति युनिट तक हो गई है। लेकिन हमारी एच0 बी0 पी0 भाजपा गठबंधन के सता में आने के बाद किसानों को बिजली पर सबसीडी ज्यो कि त्यों जारी है और अभी तक उस स्बैल सिस्टम में कोई बढ़ोतरी नही की गई है और आने वाले समय में भी 50 पैसे यूनिट के हिसाब से किसानो को बिजली रहेगी। और फलैट

रेट पर भी 65/ रूपये प्रति बी0 एच0 पी0 के हिसाब से बिजली मिलती रहेगी। इसके अलावा बिजली पर रियायती टैरिफ भी ज्यों का त्यों रहेगा, ऐसा हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी ने किसानों को आ वासन दिया हुआ है। किसानों के लिये यह सबसिडी जारी रहेगी और बिजली फिलहाल ज्यादा महंगी नही होगी। अध्यक्ष महोदय, हमारे कई राजनीतिक विरोधी भाई कहते रहते है कि बिजली के सुधारीकरण के बाद बिजली 5/रूपये प्रति यूनिट 6/ रूपये प्रति यूनिट या 10/ रूपये प्रति यूनिट मंहगी हो जायेगी हो जायेगी, ऐसा ही कुछ कह देते है। उसके बारे में में आपके माध्यम से हाऊस को बताना चाहूंगा कि हमारे ऐसा ही कुछ का कुछ कह देते है। उसके बारे बारे में मै आपके माध्यम से हाऊस को बताना चाहूंगा कि हमारे परम आदरणीय मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी ने बिजली का रेट नि चत करने के बारे में एक ऐसा कानून बनवा दिया है कि अब सरकार के हाथ में बिजली के रेट नि चत करने के बारे में एक ऐसा कानून बनवा दिया है कि अब सरकार के हाथ मे बिजली का रेट बढ़ाने की कोई भाक्ति नही रहेगी और यह कानून पास भी हो चुका है। अब सरकार के पास ताकत ही नही है कि वह बिजली के रेट बढ़ा सके। यह रेट केवल रैगुलेटरी कमी ान ही बढ़ा सकता है और इस रैगुलेटरी कमी ान का मतलब एक किस्म की अदालत है जो कि सरकार के अधीन नहीं है। जब बिजली के रेट बढ़ाने होगे तो जैनको और ट्रांसको ये दो कंपनियां इस रैगुलेटरी कमी ान को एक दरखास्त देंगी। जब वे दरखास्त देगी तो रैगुलेटरी कमी ान प्रदे ा की जनता से पूछेगा

कि किसी व्यक्ति को कोई ऐतराज हो तो वह आकर ऐतराज दायर कर सकता है। वे वकील के माध्यम से अपना एतराज दायर कर सकता है। वे वकील के माध्यम से अपना एतराज दायर कर सकता है। इस रैगुलेटरी कमी ान में कोई भी कर्मचारी, अधिकारी, किसान या समाज का कोई भी वर्ग अपनी बात कह सकता है। यदि रैगुलेटरी कमी ान को उनका ऐतराज सही लगेगा तो रेट नही बढ़ाये जायेंगे और उनका ऐतराज सही नही लगेगा तो रैगुलेटरी कमी ान बिजली के रेट बढ़ा सकता है। फिर भी रैगुलेटरी कमी ान के फैसले के खिलाफ भी किसी को ऐतराज हो तो वह हाई कोर्ट में अपील कर सकता है। इसलिये बिजली के रेट बढ़ाने वाली बात सरकार के बस की नही है।

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): अध्यक्ष महोदय, श्री सांगवान ने बिजली की सबसिडी के एक अहम मुद्दे के बारे मे चर्चा की है और हमारे बिजली राज्य मंत्री श्री सैनी जी ने भी इस बारे में विस्तार से सदन को जानकारी दी है। अध्यक्ष महोदय, यह जो हविपा–भाजपा गठबन्धन की चौधरी बंसी लाल जी की सरकार है, इसने बिजली के उत्पादन को बढ़ाने की जो प्रक्रिया अपनाई है उसको अन्तर्राश्ट्रीय स्तर पर एक प्रसिद्धि मिली है उसको एक मान्यता मिली है। अध्यक्ष महोदय, आप जानते है कि बिजली के सुधारीकरण की प्रक्रिया जब भाुरू की गई तो किसी को यह वि वास ही नही हुआ था कि हरियाणा सरकार इतनी बड़ी और हमत्वाकांक्षी योजना को सिरे चढ़ा पायेगी। हमारे विरोधी भाईयों

ने भी उस पर यहां चर्चा की है और वे कहते है कि यह सरकार बिजली उद्योगपतियों को बेच रही है। हरियाणा के बिजली बोर्ड को ही बेच रही है। इसलिए 24 घण्टे बिजली देने का सपना कभी साकार नही हो सकता। लेकिन अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा को 40000 मैगावाट बिजली चाहिए जबकि हरियाणा के पास केवल 863 मैगावाट ही बिजली है और एक दम इतना टाइम कन्जयूमिंग कार्यक्रम कोई सरकार कैस ला सकती है और तीन साल पहले तो इतनी ज्यादा बिजली जनरे ान में नही आ सकती। अध्यक्ष महोदय, आज में चौधरी बंसी लाल जी की सरकार को और उनकी सोच को इस सदन के माध्यम से बधाई देना चाहता हूं क्योंकि जो सरकार पिछले 20 साल से या 26 साल से बिजली के उत्पादन के क्षेत्र में कोई कदम भी नही उठा सकी और वे सरकार बिजली के उत्पादन के क्षेत्र में कोई कदम रखने में डरती रही है। हरियाणा का यह इतिहास है कि जब किसान के खेत में गेहूं की फसल पकनी होती है, जब सरसों में दाना पड़ने की बारी आती है तो खेत में पानी की सख्त जरूरत होती है लेकिन किसान को जरूरत के हिसाब से उतनी बिजली नही मिलती इसलिए वे आंदोलन के दौरान 25 किसान बिजली की मांग करते हुय गोली से मारे गये थे। चाहे वह कादमा था चाहे वह नीसिंग था, चाहे वह नारनौल था चाहे वह नारनौद था और चाहे कोई दूसरी जगह थी। यह इस बात का प्रमाण है कि अढ़ाई साल पहले इस सरकार ने जिद्दा करके, चौधरी बंसी लाल के अनुभवी दिमाग की प्रतिज्ञा से कि हम हरियाणा प्रदे ा में बिजली का उत्पादन करके दिखाएंगे बिजली

का ज्यादा उत्पादन की और ध्यान दिया है। वर्ल्ड बैक ने भी उस समय लोन देने के हिचाकिचाहट दिखाई लेकिन बिजली बोर्ड के अधिकारियों ने बिजली बोर्ड के कर्मचारियों ने और मुख्य मंत्री जी की बिल पावर ने सदन के समर्थन ने वह सपना साकार करके दिखाया है। पाकिस्तान से लोग हमारी बिजली की जनरे ान को समझने के लिए कई बार यहां आ चुके है। आज पैरिस में हमारे बिजली बोर्ड के चेयरमैन को इसलिए बुलाया जाता है कि तुमने इतने थोड़े समय में यह कारगर कदम कैसे उठाया, यह प्रक्रिया कैसे प्रारम्भ की। स्पीकर साहब, पहले उद्घाटन होते थे लेकिन उन पर कार्यवाही नही होती थी। फरीदाबाद में गैस पर आधारित 432 मैगावाट की क्षमता का प्रोजैक्ट जिसका उद्घटन मंजहेड़ी गांव में उस समय के प्रधान मंत्री श्री इन्द्र कुमार गुजराल ने किया था उस पर बिजली बोर्ड वालों ने दिन रात काम किया अब उनका एक फेस बिजली देने के लायक होने वाला है। सदन के कुछ विधायका के दिमाग में और हरियाणा प्रदे ा के कुछ लोगों के दिमाग में यह गलतफहमी थी कि ये वर्ल्ड वैक से 2400 करोड़ रूपय लोन लेगे और वर्ल्ड बैक उसके लिए अपनी भार्ते रखेगा, किसानों को बिजली मंहगे मिलेगी। इसी प्रक्रिया के दौरान में जहां इस सरकार पर यह इल्जाम था कि वर्ल्ड बैक का जो लोन होता है इसकी ब्याज की दरें बहुंत मंहगी होती है उस बारे में हमारे बिजली राज्य मंत्री थी अतर सिंह सैनी जी ने बताया कि उस लोन की ब्याज की दर 9.1 परसैट है। आज हमारा कोआप्रेटिव सैक्टर हो, चाहे कोई भी सैक्टर हो, यह किसी भी सैक्टर से सबसे सस्ती

ब्याज की दर है। आज हरियाणा प्रदे ा में किसानों को 50 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से बिजली दी जा रही है। हरियाणा प्रदे ा में किसानों को सबसीडाइज्ड रेट पर बिजली मिल रही है। हमारी सरकार ने बिजली की जो स्बैल बनाएं है। जो ट्यूबवैल 101 फुट तक गहरे है जहां से मोटर पानी उठाती है उस किसान से 50 पैसे प्रति यूनिट को घंटा 38 पैसे प्रति यूनिट लिया जाएगा। जो ट्यूवबैल 151 फुट में 200 फुट तक गहरे है उस किसान का 38 पैसे प्रति यूनिट से घटा कर 31 पैसे प्रति यूनिट कर दिया गया है इसके अलावा महेन्द्रगढ़ लौहारू और मेवात के इलाकों में जहां पर पानी 400 फुट गहरा है उन इलाकों के किसानों से बिजली का रेट 23 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से पैसा लिया जाएगा। अम्बाला–पंचकूला ि ावालिक पहाड़ियों की तलहटी में जहां पर किसान डर के मारे ट्यूववैल नही लगते थे वहां पर किसान ट्यूववैल लगाने लग गए है। जो ट्यूववैल्ज के लिए फलैट रेट 65 रूपय बी0 एच0 पी0 के हिसाब से लिया जाता था वह दूसरे स्बैल मे 65 रूपय से घटा कर 50 रूपय कर दिया गया है। तीसरे स्बैल में यह 40 रूपय कर दिया गया है और चौथे स्लैब में 30 रूपए कर दिया गया है। उड़ीसा से लोग हमारे सिस्टम को देखने के लिए आए। बिजली उत्पादन में जो हमारी रूचि है जो हमारी गम्भीरता है उसको देखते हुए वर्ल्ड बैक ने पहली 240 करोड़ रूपय की कि त दे दी है और वर्ल्ड बैंक वालों ने कहा है कि इस समय तक की इस बारे में सरकार की जो कारगुजारी है, इस समय तक की सरकार की जी इस बारे में गम्भीरता है हम उसकी

प्र ांसा करते है और हम अपना सन्तोश प्रकट करते है स्पीकर साहब, इस महान सदन के सामने कल मुख्य मंत्री जी ने कहा था कि हमारे बिजली बोर्ड का बिजली उत्पादन का जो प्रोसैज है उससे किसानों को बिजली मंहगी नहीं मिलेगी। हमारी सरकार का प्रदे ा के लोगों को 24 घंटे बिजली देने का जो सपना था उसके बारे में हमारे विरोधी पक्ष के माननीय सदस्यों ने उस समय खद ाा जाहिर किया था लेकिन अब प्रदे ा के लोगों को 24 घंटे बिजली देने की बात पूरी होने लगी है तो उनको बड़ी मु कल हो गई है। गांव का आदमी, भाहर का आदमी और कारखाने का मालिक सब एहसास करने लगे है कि हां सरकार इस रफ्तार में हमे 24 घंटे बिजली उपलब्ध करा सकती है। स्पीकर साहब, मैने आपके सामने यही निवेदन करना था। धन्यवाद।

श्री अतर सिंह सैनीः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सदन को बताना चाहूंगा कि हम किसानों को जो बिजली 50 पैसे प्रति यूनिट दे रहे है वह सरकार को 2.88 रूपये पर यूनिट पड़ती है यानी सरकार को इतना खर्चा वहन करना पड़ता हैं। दूसरे मै यह कहना चाहूंगा कि एच0 बी0 पी0 व बी0 जे0 पी0 की मिली जुली जो सरकार है वह किसानों के लिए बहुत अच्छ काम कर रही है। इसके लिए मै अपने मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी को बधाई देना चाहता हूं कि जहां हमारे दे ा में ग्रमीण क्षेत्र को बिजली का 26 प्रति ात दे रहे है वहां हमारे प्रदे ा हरियाणा में ग्रमीण क्षेत्र को लगभग 50 प्रति ात बिजली दे रहे है और गेहूं व

धान की बिजाई व काटई के समय में 50 परसैंट से अधिक बिजली ग्रमीण क्षेत्रो में दे रहे है। इसके साथ ही साथ मै यह बताना चाहूंगा कि पहले स्लैब प्रणाली के तहत 63 हजार किसानो को फायदा होता था जो अब बढ़कर 1.25 लाख किसानों को फायदा होगा यानी पहले से दुगुने किसानों को फायदा होगा।

श्री सतपाल सिंह सांगवानः स्पीकर साहब, हमारे ि ाक्षा मंत्री श्री राम बिलास भार्मा जी व बिजली मंत्री श्री अतर सिंह सैनी जी ने बहुत बढ़िया ढंग से बिजली की स्थिति के बारे मे स्पश्ट किया है। इसके लिए मै सबसे ज्यादा मुख्य मंत्री जी का बड़ा हार्दिक धन्यवाद करता हूं क्योंकि हमारे कई साथियों जैसे सोमबीर, नृपेन्द्रसिह, जगदी ा जी व अन्य कई साथियों ने कभी सोचा भी नही था कि स्बैल प्रणाली के तहत 30 रूपये प्रति हार्स पावार के हिसाब से किसनों को बिजली मिल जायेगी। सरकार ने ऐसी सुविधा किसानों को देकर वाकई बहुत सराहनीय कार्य किया है। मै एक बात यह और जानना चाहूंगा कि क्या सरकार को ट्रांसको और जेनको कम्पनी के अलावा बिजली बोर्ड की कोई और कम्पनी या कापरि ान बनाने का विचार है।

श्री अध्यक्षः सांगवान जी, अब बैठियें। इसका जवाब वाद में मुख्य मंत्री जी देंगे।

नियम 15 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker: Hon'ble Members now, a Minister will move the motion under Rule 15.

Minister of State for Public Relations (Shri Attar Singh Saini): Sir, I beg to move-

That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule Sittings of the Assembly indefintely.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule Sittings of the Assembly indefintely.

Mr. Speaker: Question is-

That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule Sittings of the Assembly indefintely.

The motion was carried.

नियम 16 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now a Minister will move the motion under Rule 16.

Minister of State for Public Relations (Shri Attar Singh Saini): Sir, I beg to move-

That the Asscmbly at its rising this day shall stand adjourned sinedie.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Asscmbly at its rising this day shall stand adjourned sinedie.

Mr. Speaker: Question is-

That the Asscmbly at its rising this day shall stand adjourned sinedie.

The motion was carried.

नियम 121 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now the Parliamentary Affairs Minister will move the motion under Rule 121

Minister of State for Public Relations (Shri Attar Singh Sami): Sir, I beg to move-

That the provisions of Rules 231, 233, 235 and 270 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assemble in-so far as they relate to the constitution of the-

(i) Committee on Pubic Accounts;

(ii) Committee on Estimates;

(iii) Committee on Public Undertakings; and

(iV)Committee on the Welfare of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Back Backward Classes,

for the year 1999-2000 be suspended.

Sir, I also move-

That this House authorises the Speaker, Haryana Vidhan Sabha to nominate the Members of the aforesaid Committees for the year 1999-2000 keeping in view the proportionate stength of various parties/groups in the House.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the provisions of Rules 231, 233, 235 and 270 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assemble in-so far as they relate to the constitution of the-

(i) Committee on Pubic Accounts;

(ii) Committee on Estimates;

(iii) Committee on Public Undertakings; and

(iV)Committee on the Welfare of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Back Backward Classes,

for the year 1999-2000 be suspended.

And

That this House authorises the Speaker, Haryana Vidhan Sabha to nominate the Members of the aforesaid Committees for the year 1999-2000 keeping in view the proportionate stength of various parties/groups in the House.

Mr. Speaker: Question is-

That the provisions of Rules 231, 233, 235 and 270 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the

Haryana Legislative Assemble in-so far as they relate to the constitution of the-

(i) Committee on Pubic Accounts;

(ii) Committee on Estimates;

(iii) Committee on Public Undertakings; and

(iV)Committee on the Welfare of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Back Backward Classes,

for the year 1999-2000 be suspended.

And

That this House authorises the Speaker, Haryana Vidhan Sabha to nominate the Members of the aforesaid Committees for the year 1999-2000 keeping in view the proportionate stength of various parties/groups in the House.

The motion was carried.

सदन की मेज पर रखा गया कागज–पत्र

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now a Minister will lay the paper on the Table of the House.

Minister of State for Public Relations (Shri Attar Singh Saini): Sir, I have to lay on the Table of the House the Grant Utilization Certificate and Audit report for the year 1996-47 of the Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural Universty. Hisar as required under section 34(5) of the Haryana and Punjab Agricultural Universities Act, 1970

समितियों की रिपोर्ट्स प्रस्तुत करना

(i) लोक लेखा समिति की 48वीं रिपोर्ट पे ा करना

Mr. Speaker: Now Shri Sat Pal Sangwan, Chairperson of the Committee on Public Accounts will present the Forty Eighth Report of the Committee on Public Accounts for the year 1998-99. on the Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year ended 31st Macrh. 1994 (Remaining paragraphs) and 31st March, 1995 (Civil and Revenue Receipts)

(ii) अनुसूचित जतियों, जन–जातियों तथा पिछड़े वर्गो के कल्याण समिति की 24वीं रिपोर्ट पे ा करना

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now Shri Ramesh Kashyap, Chairperon of the Committee on the Walfare of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Backward Classes will present the Twenty Forth Report of the Committee on the Watfare of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Backward Classes for the year 1998-99.

श्री रमे ा क चप (चेरयपर्सन, अनुसूचित जातियों, जन–जातियों तथा पिछड़े वर्गो के कल्याण के लिए समिति): अध्यक्ष महोदय, मैं वर्श 1998–99 के लिए अनुसूचित जातियों, जन–जातियों तथा पिछड़े वर्गो के कल्याणा के लिए समिति की 24वी रिपोर्ट प्रस्तुत करता हूं।

(iii) अधीनस्थ विधान समिति की 30वीं रिपोर्ट पे ा करना

Mr. Speaker: Now Shri Kapoor Chand Sharma, Chairperson, Committee on Subordmate Legislatation will present the Thirtieth Report of the Committee on Subordinate Legislatation for the year 1998-99.

श्री कपूर चन्द भार्मा (चेयरपर्सन, अधीनस्थ विधान समिति): अध्यक्ष महोदय, मै वर्श 1998–99 के लिए कमेटी ऑन सबोर्डिनेट लैजिस्ले ान की 30वी रिपोर्ट सादर प्रस्तुंत करता हूं।

(iv) सरकारी आ वासन समिति की 30वी रिपोर्ट पे ा करना

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now Shri Somvir Singh a Member of the Committee on Government Assurances will present the Thirtieth Report of the Committee on Government Assurances for the year 1998-99

Shri Somvir Singh (A member of the Committee on Government Assurnces): Sir, I beg to present the Thrtieth report of the Committee on Government Assurances for the year 1998-99.

बिल्ज–

1. हरियाणा विनियोग (सं0 1) विधेयक, 1999

Mr. Speaker: Now, the Finance Minister will introduce the Haryana Appropriation (No. 1) Bill, 1999 and will also move the motion for its consideration.

Finance Minister (Shri Charam Dass): Sir, beg to introduce the Haryana Appropriation (No.1) Bill 1999.

Sir, I also beg to move-

That the Haryana Appropriation (No.1)Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Haryana Appropriation (No.1) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is-

That the Haryana Appropriation (No.1) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now. the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 2 stand part of the Bill

The Motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 3 stand part of the Bill

The Motion was carried.

Schedule

Mr. Speaker: Question is-

That Schedule be the Schedule of the Bill

The Motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 1 stand part of the Bill

The Motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That the Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill

The Motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That the Title be the Title of the Bill

The Motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Development move the Bill be passed.

Finance Minister (Shri Charan Dass): Sir, I also beg to move-

That the the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

2. हरियाणा विनियोग (सं0 2) विधेयक, 1999

Mr. Speaker: Now, the Finance Minister will introduce the Haryana Appropriation (No. 2) Bill, 1999 and will also move the motion for its consideration.

Finance Minister (Shri Charam Dass): Sir, beg to introduce the Haryana Appropriation (No.2) Bill 1999.

Sir, I also beg to move-

That the Haryana Appropriation (No.1)Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Haryana Appropriation (No.1) Bill be taken into consideration at once.

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, मुझे यहां पर कुछ कहने में आनन्द तब आता जब सामने वाले भाई यहां पर बैठे होते। हाउस ने विपक्ष के 9 सदस्यों को ही सस्पेड किया था और बाकी 26 सदस्य तो यहां पर अपनी बात कह सकते थे। अध्यक्ष महोदय, 3 विपक्ष के मैम्बर्ज कैप्टन अजय सिंह, श्री खुर्दी ा अहमद और श्री देवराज दीवान रोजना विधान सभा में आते है, हाजिरी लगाते है और चले जाते है। सदन का उन्होने वायकाट किया हुआ है और टी0 ए0, डी0 ए0 के लिए हाजिरी लगाने आते है। अध्यक्ष महोदय, श्री ओम प्रका ा चौटाला ने एक प्रेस नोट में जो बात कही है मै उनका जवाब दे दूं तो अच्छा रहेगा। उन्होनें एक बात यह भी कही कि इस बार का बजट पूलनिंग कमी ान से डिसकस किए वगैर पे ा किया जा कि गलत है। अध्यक्ष महोदय, क्यौंकि पिछले साल भी हमने जुलाई में बजट पे ा किया लेकिन उससे पहले हमने वोट ऑन अकाउन्ट पास किया और बाद में जुलाई में बजट पास किया। उस समय हमें भारत सरकार के प्लानिंग कमी ान से इस बजट को डिसकस करने का टाईम सितम्बर में मिला था और सितम्बर में हमने बजट डिसकस किया। इसलिए इस तरह से कई बार ऐसा सितम्बर में मिला था और सितम्बर में हमने बजट डिसकस किया। इसलिए इस तरह से कई बार ऐसा हो जाता है। यदि प्लानिंग कमी ान के साथ बजट फाईनिलाइज भी हो जाता है तो उसके बाद भी प्लान हो जाता है। यदि प्लानिंग कमी ान के साथ बजट फाईनिलाइज भी हो जाता है तो उसके बाद भी प्लान घटता बढ़ता रहता है।

accrding to the resources available to the State Government and Central Government. इसके अलावा उन्होंनें यह भी कहा कि इस साल का प्लान यानी 1998–99 का 2260 करोड़ रूपये से घटकर 1800 करोड़ रूपये हो गया है और अब सरकार उसको घटाकर 1800 करोड़ रूपये से 1400 रूपये करने जा रही है। लेकिन मैं उनकी बताना चाहता हूं कि हमारा ऐसा कोई प्रोग्राम नही है। हमारा यह जो प्लान है वह 1800 करोड़ रूपये का ही इम्पलीमेन्ट होगा। इस प्लान के कम होने का सबसे बड़ा कारण यह है कि इस बार सैंट्रल असिसटैन्ट्स 354 करोड़ 51 लाख रूपये की कम आयी जबकि सैन्ट्रल असिसटैन्ट्स 951 करोड़ 17 लाख की आनी थी लेकिन आयी केवल 596 करोड़ 66 लाख रूपय की। अध्यक्ष महोदय, हमको वर्ल्ड बैक से या ओ0 ई0 सी0 एफ0 से फर्दर लोन मिलने थे, वह नही मिले। इसका सबसे बड़ा कारण परमाणु विस्फोट का तजुर्बा रहा। इसके अलावा पूरे वर्ल्ड में रिसै ान भी आयी और इस रिसै ान के कारण हमारे अपने भी रिसोर्सिज घट गए। जो हमारा स्टेट भोयर सैंट्रल टैक्सिज का आना था वह भी 126 करोड़ 60 रूपये कम आया। इसके साथ ही हमारा कुछ नोन प्लान एक्सपैडीचर भी हो गया। आठ करोड़ रूपये हमने मूयूनिसिपल कमेटीज को दे दिए सात करोड़ रूपये हमने कोआपरेटिव भी हो गया। आठ करोड़ रूपये हमने मूयूनिसिपल कमेटीज को दे दिए, सात करोड़ रूपये हमने कोआपरेटिव भाुगर मिल्ज को दिए ताकि वे किसानों को उनके इसके अलावा हमने फ्रीडम फाइटर्ज की पें ान भी बढ़ा दी जिस पर हमको पीने दो

करोड़ रूपया खर्च करना पड़ा। अध्यक्ष महोदय, फिर भी हमारा 1800 करोड़ रूपये से नीचे जाने का कोई प्रोग्राम नही है। इसी तरह से एक बात ओमप्रका ा चौटाला ने अपनी स्टेटमैन्ट में यह भी कही–

"Due to anti-farmer polices of the Government including poor power supple and inability to clear water logged fields, the agricultural production in the State decreased by 8.4% in which the reduction in the production of commercial crops of cotton sugarcane and oil-seds was to the tune of 25.1 16.3 and 58.1% respectively"

अध्यक्ष महोदय, मै आनरेबल मैम्बर्ज का बताना चाहूंगा कि 1997–98 में में बहुत एक्सीसिव रेन हुई यह रेन पकी पकायी फसली के ऊपर हुई जिससे हमारी फसलों का नुक्सान हुआ, किसानों का भी नुक्सान हुआ, सरकार का भी नुक्सान हुआ और इससे सभी को परे ाानी भी हुई। इसके अलावा उन्होंने यह भी कह दिया कि सरकार ने जमीनों में से वर्शा का पानी नही निकाला इसलिए रबी की फसल की का त पूरी नही हो सकी। अध्यक्ष महोदय, हमने दी लाख 93 हजार एकड़ जमीन का पानी दो महीने में निकाला है जो कि आज तम हरियाणा प्रदे ा में एक रिकार्ड है। उन्होंने यह भी कहा कि इस बार रबी की फसल की का त कम हुई। अध्यक्ष महोदय, मै आपके जरिए से सदन को बताना चाहता हूं कि 1997–98 के रबी की फसल का त हुई थी ओर इस साल 31 लाख 33 हजार हैक्टेयर रबी की फसल का त हुई

है। इसका मतलब 2 लाख 60 हजार हैक्टेयर रबी की फसल की ज्यादा का त हुई है। और ज्यादा का त होने की वजह यह है कि इस भाजपा–हविपा गठबन्धन की सरकार ने किसान है जरूरत किसान की तकलीफ महसूस करके बड़ी तेजी से जमीनों मे से पानी निकाल दिया। सरकार के इस काम से किसान पूर्ण रूप से संतुश्ट है। हम इस बार टोटल रबी और खरीफ की पैदावार 114. 42 लाख टन और ऑइल सीड्स की पैदावार 9 लाख 20 हजार टन होने की आ ाा कर कहे है। अध्यक्ष महोदय, पर केपिटा इकम पर चौटाला साहब यह बनाय दे रहे है–

Per Capita Income has declined by Rs 28 from 4025 to Rs. 3997 and the gross domestic product has show an all time low incerase of merely 1.1 per cent between 1997 and 1998"

Speaker Sir, in this connection, I would like to exlain detail. The Per capita income at constant prices (1980-81) which was Rs. 3679 in 1995-96 has increased to Rs. 3997 in 1997-98 recording an icrease of 8.6 per cent The statement that the gross state domestic of 1.1% is not correct. The all time low growth of -0.08 per cent in gross state domestic product was recorded indicated during the regime of Ch. Devi Lal. Further, the state domestic product indicated a growth of only 0.2 per cent in 1992-93 during the regime of Ch. Bhajan Lal. It is informed that the State domestic product has increased fromh Rs. 7455 crores in 1995-96 to Rs. 8381 crores in 1997-98, indicating a growth of 12.4 per cent.

अध्यक्ष महोदय, टैक्स रिसीट्स के बारे में ओम प्रका ा चौटाला कहते है कि Tax receipt projections are unrealistic and have shown a tendency of declining upto December, 1998 and there is rampant corruption prevalent in the State. अध्यक्ष महोदय, इस साल दिसम्बर महीने के अंत तक महीने के अंत तक हमारी 1383 करोड़ रूपये की टैक्स रिसीटस की कलैक ान हो जायेगी और पिछले साल दिसम्बर माह के अंत तक हमारी टैक्स रिसीटस की कलैक ांस 1383 करोड़ की थी, इस प्रकार पिछले साल के मुकाबले में यह 46 करोड़ रूपये ज्यादा है लेकिन श्री चौटाला को यह कलैक ास कम लगती है। सबसे बड़ी तकलीफ हमारे विरोधी भाइयों को बिजली के बारे में है। पिछले मै ान के अध्यक्ष महोदय, आपको याद होगा कि कहा करते है थे कि बिजली का रेट 6 रूपये प्रति यूनिट हो जाएगा, फिर कहते थे कि यह सरकार प्रदे ा के लोगों को 24 घंटे बिजली नही दे सकती, कहां से देगी। अध्यक्ष महोदय, हम इसी साल 30 जून से हरियाणा प्रदे ा के लोगों को 24 घंटे बिजली देंगे। (इस समय भेजे बपथपाई गई) श्री ओम प्रका ा ने कहा कि The generation of electricity fell by 346 million units in the previous in spite of an increase in the generating capacity.

अध्यक्ष महोदय, जब चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी मुख्य मंत्री थे तो उस समय बिजल की कैपोसिटी 893 मैगावाट थी और उन्होंने बिजली का जरने ान 2525 मिलियन यूनिट किया और 1990–91 में जब उन्ही की सरकार थी तो उस समय बिजली

का जनरे ान 2343 मिलियन यूनिट हुआ यानी 7.2 परसैट बिजली का जररे ान कम हुआ। जब 1995.96 मै चौधरी भजन लाल जी की सरकार थी उस समय जो बिजली का जनरे ान था वह टोटल 3300 मिलियन यूनिट था। जिस दिन से भारतीय जनता पार्टी और हरियाणा विकास पार्टी की गठबन्धन सरकार 1996.97 में सता मे आई है उस दिन से चौटाला और चौधरी देवीलाल जी की सरकारों के मुकाबले में तो बहुत ज्यादा बिजली का जनरे ान हुआ है। चौटाला भजन लाल देवीलाल जी की सरकारों के मुकाबले में तो बहुत ज्यादा बिजली का जररे ान हुआ है चौधरी भजन लाल जी की सरकार के वक्त 1995.96 में बिजली मैं बिजली का जनरे ान 3300 मिलियन यूनिट था और हमने आते ही साल में 3671 मिलियन यूनिट जनरे ान कर दिया यानी 11.23 परसैंट ज्यादा कर दिया। 1997.98 में हमने बिजली के जनरे ान को बढ़ाकर 3757 मिनियन यूनिट कर दिया और इस साल जनवारी तक 3139 मिलियन यूनिट और 31 मार्चा 1999 तक 3830 मिलियन यूनिट बिजली की जनरे ान करने का एस्टिमेंट है जोकि 1.9 प्रति ात ज्यादा है। इसके बाद प्लांट लोड फैक्टर पिछले नौ सालों में हाईएस्ट 49.6 प्रति ात रहा है जिसमें से श्री चौटाला की सरकार के समय में 44 प्रति ात था और उनकी सरकार आने के एक साल बाद 34 प्रति ात हो गया। चौधरी भजन लाल जी को सरकार में प्लांट लोड फैक्टर 43 प्रति ात हो गया। जब वर्तमान भारतीय जनता पार्टी और हरियाणा विकास पार्टी गठन्धन की सरकार 1996.97 में सता में आई तो यह 48 प्रति ात हो गया

और 1997.98 में 49 प्रति ात और 1998.99 में 49.6 प्रति ात हो गया। हमने अपने ही रिकार्ड को तोड़ा है इन विपक्ष के भाइयों की पिछले सरकारों का ही रिकार्ड नही तोड़ा। इस प्रकार अगर हिसाब तो जब लोक दल की सरकार थी तो जनरे ान 7.2 प्रति ात डाऊन हुआ था और 1990.91 के मुकाबले 1996.97 में हम 56 प्रति ात ज्यादा बिजली पैदा कर पाये है और 1997.98 में 1990. 91 के मुकाबले 60.5 प्रति ात बिजली ज्यादा बिजली पैदा की है। अध्यक्ष महोदय, 1990.91 में प्लांट लोड फैक्टर 34 परसैंट था और आज उसके मुकाबले हम हिसाब लगाने तो we are much higher than that. They have said that the per M.W. generation of installed capacity fell by 5.66 in the same year. Mr. Speaker Sir, the per M.W generation of panipat, Faridabad and Yanunanagar generation projects has increased, not gone down. जैसा मैने आपको बताया कि पहले जब लोकदल की सरकार 1989.90 में थी जब बिजली की पैदावार 2.71 मिलियन यूनिट थी, 1995.96 मे चौधरी भजन लाल जी की सरकार के समय में बिजली की पैदावार 3.82 मिलियन यूनिट थी और आज भारतीय जनता पार्टी और हरियाणा विकास पार्टी गठबन्धन की सरकार के समय 1996.97 में 4.25 मिनियन यूनिट बिजली की पैदावार है। 1997.98 में बिजली की पैदावार 4.35 मिनियन यूनिट थी और इस साल हमें इस को 4.5 मिलियन यूनिट कर देंगे। हम तो पहले की सरकारों के मुकाबले हर लिहाज से ज्यादा बिजली पैदा कर रहे है। लेकिन विपक्ष के भाईयों को तो कहने की आदत है, वे कहे बिना नही रह सकते है। अध्यक्ष महोदय, जब से यह सरकार बनी

है, विपक्ष के भाइयों ने सरकार का जवाब सुनने की कोि ा ा कभी नहीं की है। पिछली बार तो विपक्ष के कुछ साथी सदन में बैठे रह भी गए थे लेकिन आमतौर पर वे हर बार सदन से वॉक आउट करके चले ही जाते है। जहां तक बिजली की जनरे ान का ताल्लुक है उसके बारे में हम पत्र प्राप्त हुआ है जिसमें Secretary, Power. Government of India converyed the appreciation of the Prime Minister who had reviewed the power generation in the conntry and was especially pleased to convey that the generation of Panipat Thermal Power Project was appreciable from 1-4-1997 to 30-9-1997 It was appreciated by the Prime Minister himself.

अध्यक्ष महोदय, उसके बावजूद श्री ओम प्रका ा चौटाला जी ने कहा कि बिजली की खपत प्रति व्यक्ति घट रही है। अध्यक्ष महोदय, मै सदन को बताना चाहूंगा कि चौधरी देवी लाल के वक्त में यह बिजली की खपत 458 यूनिट हो गई और वर्तमान सरकार आने के बाद यह खपत 462 यूनिट थी तथा पिछले साल क्योंकि बारि ा ज्यादा हो गई थी इसलिए बिजली की खपत कम होने के कारण यह खपत 438 यूनिट पर आ गई है। इस साल यह खपत प्रति व्यक्ति 465 यूनिट ऐस्टिमेंटिड है जो कि ऑल टाईम हाई है। अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकारी के मुकाबले हमारे वक्त में बिजली की उपलब्धता सबसे ज्यादा है। इस साल की जो स्थिति है i.e 371 lac unit per day as compared to 348 lac unit in the previous year. And the estimated per capital consumption of electricity this year is 465 unit. यह भी हम ने

अपना ही रिकार्ड तोड़ा है। अध्यक्ष महोदय, जब 1967–68 में हमने पॉवर प्लांटस लगाए थे तो उससे पहले बिजली की प्रति व्यक्ति खपत हरियाणा में 57 यूनिट थी जो कि आज प्रति व्यक्ति खपत 465 यूनिट हो गई है और जब हम 24 घंटे बिजली देना भुरू कर देंगे तो यह खपत और अधिक बढ़ जाएगी। श्री ओम प्रका ा चौटाला जी ने कहा कि ट्यूबवैल–कनैक ान इस सरकार ने 2.69 प्रति ात काट दिए है। अध्यक्ष महोदय, मै कहना चाहूंगा कि जो व्यक्ति बिजली खर्च करता है और उसका बिल अदा नहीं करता है तो उसका कनैक ान तो हम काटेंगे ही तथा हम ही क्या काटेंगे, पिछली सरकारों ने खुद भी ऐसे कनैक ान काटे है। 1987.88 में लोकदल की सरकार के समय टयूबवैल्ज के 1372 कनैक ान काटे गए, 1988.89 में लोकदल की ही सरकार के समय टयूबवैल्ज के 908 कनैक ान काटे गए तथा 1989.90 में भी इन्ही की सरकार के समय में 645 ट्यूबवैल कनैक ान काटे गए। इसलिए वर्तमान सरकार यह कोई नया काम नही कर रही है। जो कोई भी व्यक्ति बिजली खर्च करेगा तथा उसका बिल अदा नही करेंगा, उसके टयूबवैल का कनैक ान तो हम काटेंगे ही। श्री ओम प्रका ा चौटाला ने कहा all the projections in the Budget are a figment of imagenation of unsucccessful Government

अध्यक्ष महोदय, अगर हमारी ऊपर वर्णित इस परफोमैंस के बावजूद भी यह सरकार असफल है तो ये दूसरे भाई तो सारी उम्र भी सफल नहीं हो सकते है। 30 जून, 1999 तक हरियाणा में 24 घंटे बिजली देने की वर्तमान सरकार की जो प्रतिबद्धता है,

उसके लिए हमने क्या प्रबंध किया है, उसको भी हरियाणा प्रदे ा की जनता को जानने का अधिकार है। हम बिजली कहां से लाएगे? 24 घंटे हम बिजली प्रदे ा के अन्दर कैसे दे पाएंगे? इसके लिए अध्यक्ष महोदय, हमने दो बार, एक बार सितम्बर में और एक बार नवम्बर में और भाायद पिछली जून में पूरे प्रदे ा को 24 घंटे बिजली देकर एक्सपैरीमैंट किया था और 24 घंटे बिजली देने से ज्यादा से ज्यादा 42 लाख यूनिट बिजली की कमी आई थी। अध्यक्ष महोदय, 30 जून, 1999 तक हमारे पास 377 मैगावाट बिजली आ जायेगी। अध्यक्ष महोदय, मै आपको बताना चाहूंगा कि 143–143 मैगावाट के 2 यूनिट फरीदाबाद मे लगने से हमे 76 लाख यूनिट बिजली मिलने लगेगी। जबकि हम जरूरत सिर्फ 40–42 लाख यूनिट की है, ज्यादा से ज्यादा 45 लाख यूनिट की होगी। इसके बाद मार्च, 2000 तक 622 मैगावाट तथा दिसम्बर, 2000 तक 268 मैगावाट बिजली और आ जायेगी। अध्यक्ष महोदय, यह बिजली कहां से आयेगी इस बारे में मै आपको बताना चाहूंगा कि 20 मैगावाट बिजली मारूति उद्योग से मिलेगी, 25 मैगावाट बिजली लिक्विड फ्यूल से चलने वाले प्लांट गुड़गांव से मिलेगी जी कि नवम्बर में चालू हो गया है। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त हमारे जो प्रोजैक्टस है उनमें एन0 टी0 पी0 सी0 फरीदाबाद की यूनिट–1 और यूनिट–2 143–143 मैगावाट जून तक चालू हो जायेगी। इस तरह से हमें टोटल 58 लाख यूनिट बिजली और मिलेगा तथा हमें बिजली की जरूरत सिर्फ 42 लाख या 45 लाख यूनिट की है। इसके अतिरिक्त पानीपत में 4 पुराने थर्मल

पावर प्लांटो की रिफर्मिसमेंट हो रही है उनसे हमें 68 मैगावट बिजली मिलने लगेगी और 14 लाख यूनिट बिजली पहले जो एन0 टी0 पी0 सी0 फरीदाबाद की फालतू है वह बच जायेगी। अध्यक्ष महोदय, ऊंचाहार थर्मल पावर प्लांट के एन0 टी0 पी0 सी0 के दूसरे यूनिट से हमें 23 मैगावाट बिजली मिलेगी, 5 लाख यूनिट वहां से आ जायेगी। इस तरह से 377 मैगावाट यानी 76 लाख यूनिट बिजली हमको नई मिलने लगेगी। अध्यक्ष महोदय, जब हमारे पास 76 लाख यूनिट होगी तो तब हमारे पास 20–30 लाख यूनिट बिजली सरप्लस होगी और इसके साथ–साथ मार्च 2000 तक पानीपत थर्मल पावर स्टे ानज दो और चार भी बन जायेगे जिसकी कैपेसटी 136–136 मैगावाट की होगी, जिनसे हमें 28 लाख यूनिट बिजली मिलेगी। इसके अतिरिक्त पानीपत थर्मल पावर यूनिट–6 है जो 210 मैगावाट का होगा उससे भी हमें 42 लाख यूनिट बिजली मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, लिक्विड फ्यूल जो 100 मैगावाट का है उससे 20 लाख यूनिट बिजली मिलेगी और एन0 टी0 पी0 सी0 का यूनिट–3 जो 146 मैगावाट का है उससे भी 29 लाख यूनिट बिजली मिलने लगेगी। इसके अतिरिक्त भाखड़ा ब्यास मैनेजमैंट बोर्ड ने बिजली में कुछ बढ़ोतरी की है उसमें से हमें 622 मैगावाट बिजली मिलने लगेगी। अध्यक्ष महोदय, इस तरह 1. 25 करोड़ यूनिट बिजली हमारे पास हो जायेगी और हमारे पास बिजली की कमी नहीं रहेगी। हमारे पास तो सरप्लस बिजली होगी। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त दिसम्बर, 2000 तक पानीपत थर्मल पवार प्लांट की यूनिट चार से हमें 68 मैगावाट

यानी 14 लाख यूनिट बिजली यानी 268 मैगावाट बिजली मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह अगले एक ह फ्ते में यमुनानगर का 500 मैगावाट के थर्मल प्लांट बनाने के लिए फाईनल टैंडर फ्लोट इस प्लांट करके जा रहे है और मुझे उम्मीद है कि वह टैंडर अप्रैल के अंतिम सप्ताह तक फाईनल टैंडर फ्लोटश करने जा रहे है और इस प्लांट का काम भाुरू हो जायेगा। इस तरह से इस प्लांट से हमें छः महीने के अंदर 500 मैगावाट बिजली मिलने लगेगी। इसके अलावा फिर हम हिसार में 500 मैगावाट के थर्मल प्लांट को लगाने के लिए टैंडर फ्लोट करेंगे। इसके अतिरिक्त आई0 ओ0 सी0 का तेल भाोधक कारखाना पानीपत में लग रहा है उनसे हमने समझौता कर लिया है इन–राईटिंग में कमिटमैंट कर लिया है। इस कारखाने में पैट्रोल या डीजल बनने हमने समझौता कर लिया है इन–राईटिंग में कमिटमैंट कर लिया है। इस कारखाने में पैट्रोल या डीजल बनने से पहले जो रैजीड्यूटी निकलता है। उससे बिजली बनती है, औरेया पावर स्टे ानज की भी कैपेसटी बढ़ाई जा रही है। 65 मैगावट बिजली हमको उनसे भी मिलेगी। यह सब करने के बाद हमारे प्रदे ा में पावर की कोई दिक्कत नहीं रहेगी। विपक्षी भाइयों को तकलीफ यह है कि 30 जून, 1999 के बाद वे गांवों में जाकर क्या कहेंगे? एक बार विपक्ष के तीन–चार एम0 एल0 एज0 मेरे पास आ गये, वे आये तो थे किसी और काम से, जब मैने चाय मंगंवा दी तो वे चाय पीते–पीते कहने लगे की चौधरी साहब क्या आप एक साल के अन्दर–अन्दर 24 घण्टे बिजली दे दोगे तो मैने उनसे कहा कि भाई एक साल

तो ज्यादा है, हम तो एक साल से भी बहुत पहले प्रदे ा में 24 घण्टे बिजली देंगे। (इस समय भेजे थपथपाई गई) इस पर उन्होंनें मेरे से कहा कि फिर हम गांव में जाकर क्या कहेंगे? मैने कहा कि भगवान ने चाहा तो अगले ढाई साल में आप लोगों को गांव में बड़न जोगे छोड़ेगे ही नही तो जाओगे कहा। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, हमने 24–25 नये सब स्टे ान बनाये है और तकरीबन 94 सब स्टो ानों की हमने स्ट्रैग्थनिंग की है और 125 ऑगमैन्ट किये है। इनके अलावा हम और नये सब स्टे ान भी बनाने जा रहे है और ऑगमैन्ट भी करने जा रहे है। इसके साथ–साथ 16000 किलोमीटर लम्बी 11 के0 वी0 ए0 की बिजली की नई लाइने बिछाने जा रहे है और बड़ी लाइने भी बिछेंगी लेकिन 16000 किलोमीटर की लाइने तो 11 के0 वी0 ए0 की बिजली की डिस्ट्रीब्यू ान के लिये बिछा रहे है। अध्यक्ष महोदय, डिस्ट्रीब्यू ान के लिये बिजली बोर्ड की चार कंपनियां बनेगी। जैनको और ट्रांसको ये दो कम्पनियां तो हमने बना दी है और डिस्ट्रीब्यू ान की दो और कंपनियां बनायेगे और मै समझता हूं कि 15 दिन के अन्दर या अन्दर या ज्यादा से ज्यादा एक महीने के अन्दर ये कंपनियां जयोंगी। जैनको कम्पनी 100 प्रति ात हरियाणा गवर्नमैंट की होगी और ट्रांसको कम्पनी भी 100 प्रति ात हरियाणा गवर्नमैंट की होगी। हम डिस्ट्रीब्यू ान के मामले हरियाणा प्रदे ा को दो हिस्सों में बांटने और डिस्ट्रीब्यू ान कंपनियों में से एक कम्पनी हरियाणा गवर्नमैंट की होगी और एक कम्पनी के बारे में किसी प्राईवेट कम्पनी को इन्वाइट करेंगे और इसमें 51 प्रति ात

भोयर इस प्राइवेट कम्पनी के होगी तथा बाकी के 49 भोयर सरकार के होगे। उस प्राईवेट कम्पनी के डायरैक्टर प्रदे ा की सरकार के अधिकारी होंगे और उससे सरकार को बहुत फायदा होगा। अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के भाई आज प्रचार करते है कि छ' रूपये प्रति यूनिट बिजली का रेट की जायेगा। लेकिन मेरा ख्याल से कि हमारे इस तजुर्बे से तो भाायद रेट भी न बढ़े। भगवान ने चाहा तो भाायद हमे भी बिजली की बिक्री करने लायक हो जायें। हमने तो हरियाणा की जनता को सहूलियत देने की कोि ा ा की है, हमने जनता को कोई तकलीफ देने की कोि ा ा नही की है। अध्यक्ष महोदय, अब किसानों को बिजली पर सबसिडी देने का सवाल आता है। हमने वर्श 1996–97 में किसानों को बिजली पर सबसीडी 747 करोड़ 37 लाख रूपये दी है, वर्श 1997–98 में किसानों को टयूबवैल के लिये 872 करोड़ 36 लाख रूपये की सबसिडी दी है और वर्श 1998–99 में 31 मार्च 1999 तक जो बिजली की सबसिडी हो जायेगी वह 880 करोड़ 47 लाख है। इसके अलावा अगले साल का बजट अभी हम पे ा कर रहे है कि इसमे वर्श 1999–2000 के लिए हम किसानों को बिजली बिजली पर 928 करोड़ रूपये की सबसिडी देंगे। इससे ज्यादा तो मेरे मेरे ख्याल में कोई भी सरकार सबसिडी किसानों को दे भी नही नही सकती। हमारे जो मुखालिफ भाई है वे कहते है कि हम बिजली बौर्ड का सारा ही काम गलत कर रहे है। अध्यक्ष महोदय, वर्ल्ड बैक में जो पावर के मामले में पूरे एि ाया के इन्वार्ज हैं, मिस्टर मटैकनिक, वे छः सात महीने पहले हमारे यहां आये थे और

उन्हौंनें हमारे अधिकारियों से बिजली के बारे में डिस्क ान भी की थी। वे मुझे भी मिले थे। उन्होंनें मुझे से यह कहा कि हम एि ाया के दूसरे मुल्को में बिजली के बारे में हरियाणा की मिसाल देते है कि हरियाणा की तरह बिजली का प्रबन्ध करो। मि0 मटैकनिक के कहने से वर्ल्ड बैक के कन्सलटैन्ट जो कि पाक्स्तिान के भी कन्सलटैन्ट है, ब्रोन्च स्टाइमनटनसन, ने यहां पर आ करके हमारे बिजली बोर्ड के सिस्टम को स्टडी किया। उन्होंनें हमारे बिजली बोर्ड के चेयरमैन से पूछा कि अगर हम पाक्तिस्तान की टीम भेजे तो क्या आप उनको यह बिजली के सुधार का सारा सिस्टम दिखा देंगे, क्या उनको यह सारा सिस्टम समझा देंगे। हमारे बिजली बोर्ड के चेयरमैन ने जवाब दिया कि अगर भारत सरकार आपकी टीम को बीजा दे देगी तो हम यह सिस्टम उनको दिखा देंगे। अध्यक्ष महोदय, विदे ाी लोग हमारे काम की तारीफ करते है। आंध्र प्रदे ा बिजली बोर्ड के मैम्बर टैक्नीकल और सैक्रेटरी, हरियाणा के बिजली जनरे ान का सिस्टम स्टडी करने आए। इसके अलावा श्री विनोद जुल्सी, आई0 ए0 एस0 एग्जैक्टिव डायरैक्टर रिफोर्म्ज, राजस्थान इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड चार फरवरी को हमारा सारा सिस्टम देख कर गए। इसी तरह से कर्नाटक स्टेट के बिजली बोर्ड के मैम्बर पावर और मैम्बर लेबर 11–12 फरवरी को यानी कल परसों हमारे सिस्टम को स्टडी करने आ रहे है। इसी तरह से बिहार के रमई राम मिनिस्टर और पावर मिनिस्टर ऑफ स्टेट फार पावर और चेयरमैन बिजली बोर्ड तथा मैम्बर टैक्नीकल 18 से 20 फरवरी तक हमारा बिजली का सिस्टम स्टडी करने के

लिए आ रहे है। इसके अलावा किसी भी वक्त श्रीलंका वालों की लीडरि ाप में एक हाई पावर डैलीगे ान एि ायन डिवैल्पमैंट बैंक द्वारा हमारे यहां भेजा जाने वाला है। इसके अलावा एक फ्रैंच स्कॉलर है श्री स्ल्ज जोयड, वह ऑन रिफोर्म्ज पी0 एच0 डी0 कर रहे है उन्होंने हरियाणा और उड़ीसा दोनों स्टेट्स की बिजली की सुधारीकरण की तारीफ की है। वह कई बार हमारे यह सिस्टम स्टडी करने आ चुके है। अध्यक्ष महोदय, हम तो अपनी तरफ से पूरी कोि ा ा कर रहे है कि हरियाणा प्रदे ा की जनता को फायदा हो, हरियाणा प्रदे ा का फायदा हो और हरियाणा प्रदे ा दिन दुगना रात चौगुना तरक्की करें मगर मै क्या करूं हमारे उन विरोधी पक्ष के भाइयों को च में ही उन्टे चढ़े हुए है। वे सदन में आ करके बाई काट करते है और बाहर हाजरी लगा कर चले जाते है। इन भाब्दों के साथ मै आपसे प्रार्थना करूंगा कि इस एप्रोप्रिए ान बिल को पास किया जाए।

Mr. Speaker: Question is-

That the Haryana Appropriation (No.2) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now. the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 2 stand part of the Bill

The Motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 3 stand part of the Bill

The Motion was carried.

Schedule

Mr. Speaker: Question is-

That Schedule be the Schedule of the Bill

The Motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 1 stand part of the Bill

The Motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That the Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill

The Motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That the Title be the Title of the Bill

The Motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Finace Minister will move the Bill be passed.

Finance Minister (Shri Charan Dass): Sir, I also beg to move-

That the the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

3. हरियाणा विधान सभा (सदस्य चिकित्सा सुविधा) सं ोधन विधेयक, 1999

Mr. Speaker: Now, the Minister will introduce the Haryana Legislative Assembly (Medical Facilities to Members)

Amendment Bill, 1999 and he will also move the motion for its consideration.

Minister of State for Public Relations(Shri Attar Singh Saini): Sir, beg to introduce the Haryana Legislative Assembly (Medical Facilities to Members) Amendment Bill,.1999

Sir, I also beg to move-

That the Haryana Legislative Assembly (Medical Facilities to Members) Amendment Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Haryana Legislative Assembly (Medical Facilities to Members) Amendment Bill, be taken into consideration at once.

ि ाक्षा मंत्री(श्री राम बिलास भार्मा): अध्यक्ष महोदय, पहले हमारे जो जो इस सदन के माननीय सदस्य रह चुके है वे यदि बाद में किसी कापेरि ान के चेयरमैन बन जाते हैं तो उनको मैडिकल की सुविधा नहीं मिल पाती थी। अब इस सं ाोधन के माध्यम से वे सभी पूर्व माननीय सदस्य कही से भी ऐसी सुविधा ले सकते है। पहले उनको विधान सभा से मैडिकल की सुविधा नही मिलती थी इसलिए इस एनोमली को दूर करने के लिए यह संसोधन किया गया है।

Mr. Speaker: Question is-

That the Haryana Legislative Assembly (Medical Facilities to Members) Amendment Bill, be taken into consideration.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now. the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 2 stand part of the Bill

The Motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 3 stand part of the Bill

The Motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 1 stand part of the Bill

The Motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That the Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill

The Motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That the Title be the Title of the Bill

The Motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Minister for Parliamentary Affairs will move the Bill be passed.

Minister of State for Public Relations(Shri Attar Singh Saini): Sir, beg to move-

That the the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

4. हरियाणा विधान सभा (सदस्य भता तथा पें ान) सं ोधन विधेयक, 1999

Mr. Speaker: Now, the Minister will introduce the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension Members) Amendment Bill, 1999 and he will also move the motion for its consideration.

Minister of State for Public Relations(Shri Attar Singh Saini): Sir, beg to introduce the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension Members) Amendment Bill,.1999

Sir, I also beg to move-

That the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension to Members) Amendment Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension to Members) Amendment Bill, be taken into consideration at once.

ि ाक्षा मंत्री(श्री राम बिलास भार्मा): अध्यक्ष महोदय, इससे पूर्व विधायकों को चिकित्सा सुविधा देने संबंधी बिल से सं ाोधन करने वाला बिल था। इस बिल में जो हमारे पूर्व विधायक है उनको जो पै ान दी जाती है उस डी0 ए0 संबंधी सं ाोधन है। अब से पूर्व विधायकों को पै ान पर डी0 ए0 नही मिलता था। बाकी प्रान्तो में डी0 ए0 की सुविधा सभी वर्ग के कर्मचारियों को उपलब्ध हैं। उन्हें पूर्व सदस्यों की सुविधा के लिए पै ान में डी0 ए0 जुड़ जाए जिस अनुपात में बाकी के श्रेणी के

कर्मचारियों के वेतन में डी0 ए0 जुडता है उसी अनुपात में पूर्व सदस्यों की पै ान मे भी यह इजाफा हों इसलिए यह सं ाोधन पूर्व सदस्यों की पै ान में सुविधा के लिए लाया गया है।

Mr. Speaker: Question is-

That the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension to Members) Amendment Bill, be taken into consideration.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now. the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 2 stand part of the Bill

The Motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 3 stand part of the Bill

The Motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 1 stand part of the Bill

The Motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That the Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill

The Motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That the Title be the Title of the Bill

The Motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Minister for Parliamentary Affairs will move the Bill be passed.

Minister of State for Public Relations(Shri Attar Singh Saini): Sir, beg to move-

That the the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

5. हरियाणा प्राइवेट महाविधायल(प्रबन्ध)सं ोधन विधेयक, 1999

Mr. Speaker: Now, the Minister of State for Parliamentary Affairs will introdco the Haryana Private Colleges (Taking over of Mangement) Amedment Bill, 1999 and he will also move the motion for its consideration

Minister of State for Public Relations(Shri Attar Singh Saini): Sir, beg to introduce the Haryana Private Colleges (Taking over of Mangement) Amedment Bill,.1999

Sir, I also beg to move-

That the Haryana Private Colleges (Taking over of Mangement) Amedment Bill, Amendment Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Haryana Private Colleges (Taking over of Mangement) Amedment Bill, Amendment Bill, be taken into consideration at once.

लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): स्पीकर सर, जो यह बिल अभी माननीय पार्लियामैंट्री अफेयरज मिनिस्टर जी ने प्रस्तुत किया है, वह स्वागत योग्य है। स्पीकर सर, आप जानते है कि आज पूरे प्रदे ा के अन्दर कई ऐसे ि ाक्षा संस्थान खुलते जा रहे है जिनके पास न पूरा भवन होता है और न बच्चों को पढ़ाने के लिए योग्य स्टाफ होता है। हम देखा करते थे कि पहले हमारे प्रदे ा के अन्दर इन्जनियरिंग कॉलेजिज में या वि वविद्यालयों में इन्जनियरिंग के कोर्स पढ़ने

वाले बच्चों का एक अलग ही रूतबा होता था और इन बच्चों में अलग प्रकार का ही आत्मा वि वास हुआ करता था। लेकिन आज हम देखते है कि छोटे–छोटे नगरों और कस्बों में भी इन्जीनियरिंग कालेज खुल रहे है। इसी प्रकार से पूरे हरियाणा प्रदे ा में प्राईवेट मैनेजमैंट्स के नाम पर कई ऐसी संस्थाएं खुल रही है जिससे ि ाक्षा के स्तर में काफी गिरावाट आती जा रही है। स्पीकर सर, आज जो यह बिल सदन के सामने प्रस्तुत किया गया है इसके लिए मै आदरणीय मुख्य मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी को मुबारिकाबाद देता हूं कि इस बिल के पास होने से ि ाक्षा के स्तर में सुधार होगा। आज कई तरह की प्राईवेट संस्थाएं प्रदे ा के अन्दर कई टैक्नीकल कोर्सिज चला रही है लेकिन उनमें ि ाक्षा की गुणवता पर कोई भी गैर नही करता है। यह जो बिल आज सदन में लाया गया है। इसके माध्यम से हमारी ि ाक्षा के स्तर में सुधार आएगा और यह जो प्राईवेट संस्थाएं अनाप– ानाप तरीके से लोगों का भाोशण करती है उन पर रोक लगेगी। धन्यवाद।

Mr. Speaker: Question is-

That the Haryana the Haryana Private Colleges (Taking over of Mangement) Amedment Bill,, be taken into consideration.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now. the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 2 stand part of the Bill

The Motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 3 stand part of the Bill

The Motion was carried.

Clause 4

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 4 stand part of the Bill

The Motion was carried.

Clause 5

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 5 stand part of the Bill

The Motion was carried.

Clause 6

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 6 stand part of the Bill

The Motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 1 stand part of the Bill

The Motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That the Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill

The Motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That the Title be the Title of the Bill

The Motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Minister for Parliamentary Affairs will move the Bill be passed.

Minister of State for Public Relations(Shri Attar Singh Saini): Sir, beg to move-

That the the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

6. हरियाणा नगरपालिका (सं ाोधन) विधेयक, 1999

Mr. Speaker: Now, a Minister will introduce the Haryana Municipal (Anmendment)Bill, 1999 and he will also move the motion for its consideration.

स्थानीय भाासन मंत्री (डा0 कमला वर्मा): अध्यक्ष महोदय, मैं हरियाणा नगर पालिका (सं ाोधन) विधेयक, 1999 प्रस्तुत करती हूं। अध्यक्ष महोदय, मै इस बिल के बारे में सदन को बताना चाहूंगी कि यह अमैंडमैंट क्यो लाई गई? सर, हरियाणा म्यूनिसिपल एक्ट 24 जून, 1973 को बना था। इससे पहले 1911 में पंजाब म्यूनिसिपल एक्ट बना था जिसके तहत सारा काम किया जाता था। 1952 में पंजाब ग्राम पंचायत एक्ट बनाया गया, 1954 में पंजाब बिलेज कामन लैण्ड एक्ट बनाया गया जिससे गांवो में जो भामलात जमीन होती थी पंचायतों के अधिकार में आ गई। 1954 के बाद जिन भाहरों में उनकी सीमा बढ़ाई जाती थी तो उसमें जो गांव आते थे वे म्यूनिसिपैलेटी की सीमा में आ जाते थे। उन गांवो की भाामलात भूमि नगरपालिका के अधिकार में आ जाती थी। अध्यक्ष महोदय, लेकिन सन् 1954 से पहले के जो पुराने भाहर है, वहां पर जो कामन लैण्ड है वह हर आदमी के लिए सांझे रूप में इस्तेमाल होती थी। उसमें कही ने कहीं कब्जा

करने का साहबस हो जाता था या वह कही न कही कोई मौका देखते थे तो कब्जा कर लेते थे। लेकिन मुझे यह कहते हुए प्रसन्नता होती है कि 1973 में जब यह एक्ट बना था, 1974–75 में भी आदरणीय मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी ने जो समय भी मुख्य मंत्री थे। इस एक्ट के अंदर यह अमैडमैंट करनी चाही थी कि सारी अवैध जमीन या भाामलात की जमीन जो कि गांवों से भाहर बनने के बाद नगरपालिका की सीमा में आयी है, उस सारी जमीन का अधिकार नगरपलिका के पास होना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, 1978 में हाई कोर्ट से माननीय न्यायाधी ा श्री संधेवालिया जी की बैंच ने उस अमैंडमैट को रद्द कर दिया था और रद्द होने के बाद पिछली किसी भी सरकार ने इस बारे में कुछ नहीं सोचा। इसलिए अब हम कह एक रैमीडियल मैजर ला रहे है ताकि इसमं कोई भी लूप होल न रह जाए, किसी भी कोई मौका न मिले जिससे यह भाामलात जमीन पर अवैध कब्जा कर सके। अध्यक्ष महोदय, जितनी भी भाहरों के अंदर जमीन है वह अधिकार नगरपलिका और सरकार के माध्यम से होना चाहिए। इसलिए इस तरह के अवैध कब्जों को रोकने के लिए और उसमें सुधार लाने के लिए इस बिल के माध्यम से यह अमैडमैंट लायी जा रही है।

मै प्रस्ताव करती हूं–

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Municipal (Amendment) Bill be taken into consideration.

Mr. Speaker: Question is-

That the Municipal (Amendment) Bill be taken into consideration.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now. the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 2 stand part of the Bill

The Motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 3 stand part of the Bill

The Motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 1 stand part of the Bill

The Motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That the Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill

The Motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That the Title be the Title of the Bill

The Motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Minister for Local Govrnment will move the Bill be passed.

स्थानीय भाासन मंत्री (डा0 कमला वर्मा): अध्यक्ष महोदय, मै प्रस्ताव करती हूं–

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

7. हरियाणा नगर निगम (सं धोन) विधेयक 1999

Mr. Speaker: Now, the Local Govrnment will introduce of the Haryana Municipal Corporation (Amendent) Bill, 1999 and he will also move the motion for its consideration

स्थानिय भाासन मंत्री (डा0 कमला वर्मा): अध्यक्ष महोदय, मै हरियाणा नगर निगम सं ाोधन विधेयक, 1999 प्रस्तुत करती हू। अध्यक्ष महोदय, इस बिल के बारे मे मै सदन को कुछ बताना चाहूगी यह अमैडमैट एक तो हम उन्ही अवैध कब्जो कोजो भाासलात जमीन पर होते है रोकने के लिए ला रहे है और दूसरे इस अमैडमैट के माध्यम से हम 196 सैक ान के अधीन एक और स ाांधन कर रहे है कारपोरे ान का जो कमि ानर लगाया जाता है उसकी पावर पहले पब्लिक वर्क्स का काम करवाने के लिए केवल एक लाख रूपया के व्यय करने की थी।लेकिन एक लाख रूपये से कोई सडक या कोई नाली वगैरह पूरी नही हो पाती थी यानी एक लाख रूपये से बहुत ही कम काम हो पाते थे। इसके अलावा स्थानीय विधायको की भी मांग थी यानी एक लाख रूपये से बहुत की कम काम हो पाते थे। इसके अलावा स्थानीय विधायको की भी मांग थी कि इस रा ि ा को बढाया जाए। इसलिए इस अमैडमैट के माध्यम से इस एक लाख रूपये की रा ि ा को बढाकर पाच लाख रूपये करने का प्रावधान कर दिया गया है। इस बिल के पास होने के बाद कांरपोरे ान का कमि नर पब्लिक के कामो के लिए पांच लाखो रूपये तक खर्च कर सकेगा। तीसरी बात मै यह बताना चाहूगी कि सैक ान 267

के अंदर हम टी0पी0 स्कीम जो कंपनसे ान के बारे मे थी जिसको सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया था, उसे हम इस बिल के अंदर इट्रोड्यूस कर रहे है। कोई प्राइवेट लैड वाला अपनी कालोनी का विकास कार्य स्वय करना चाहे और अपने आप कालेानीवासियों को सुविधा दे और अपना खर्च आप करे तो उसे कोई कंपनेसे ान नही देनी पडेगी और अरग कांरपोरे ान उस जमीन के ऊपर कोई काम करवाना चाहेगी तो वहा लैण्ड ओनर को कंपनेसे ान देना पडेगा। इस सं ाोधन को हम इस बिल मे लारहे है।चौथी क्लाज मैम्बर्ज की सस्पै ान के बारे मे है इसमे मेयर, डिप्टी मेयर, और सीनियर मेयर की सस्पै ान का प्रवाधान है, जैसे किसी मैम्बर पर क्रिमिनल या सीरियस ऐलीगे ान हो तो उसे सस्पैड किया जा सकता है, निलम्बित करने की नीति वही होगी जो नगर परिशद और नगरपालिका के इस अमैडमैट के द्वारा एक्ट मे लाया जा रहा है ताकि 34–ए के तहत और 37–ए के तहत मेयर, डिप्टी मेयर, और सीनियर मेयर पर सीरियस ऐलीगे ान लगने पर उसको सस्पैड किया जा सके। अध्यक्ष महोदय, मै एक बात और क्लीयर कर दू कि हरियाणा प्रदे ा मे एक ही निगम फरीदाबाद मे है क्योकि जिस नगर की आबादी पांच लाख या उससे अधिक हो उसी मे नगर निगम बनाई जा सकती है इसलिए यह अमैडमैट फरीदाबाद से संबधित है।

अध्यक्ष महोदय, मै प्रस्ताव करतीहू।

कि हरियाणा नगर निगम संशोधन विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए।

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Municipal (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is-

That the Municipal (Amendment) Bill be taken into consideration at once

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now. the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 2 stand part of the Bill

The Motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 3 stand part of the Bill

The Motion was carried.

Clause 4

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 4 stand part of the Bill

The Motion was carried.

Clause 5

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 5 stand part of the Bill

The Motion was carried.

Clause 6

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 6 stand part of the Bill

The Motion was carried.

Clause 7

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 7 stand part of the Bill

The Motion was carried.

Clause 8

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 8 stand part of the Bill

The Motion was carried.

Clause 9

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 9 stand part of the Bill

The Motion was carried.

Clause 10

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 10 stand part of the Bill

The Motion was carried.

Clause 11

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 11stand part of the Bill

The Motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 1 stand part of the Bill

The Motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That the Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill

The Motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That the Title be the Title of the Bill

The Motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Local Government Minister will move that the Billbe passed.

स्थानिय भाासन मंत्री (डा0 कमला वर्मा): अध्यक्ष महोदय, मै प्रस्तव करती हू।

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is.

That the Bill be passed.

The Motion was carried

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I thank you all. Now, the House adjourned sine-die.

12.42 Hrs.

(The Sabha then adjourned sine-die)